अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 21 लखनऊ, शुक्रवार, 01 अगस्त 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

पीएम मोदी और यूएई के राष्ट्रपति ने रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से टेलीफोन पर बात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार तथा रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपनी पारस्परिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई उल्लेखनीय प्रगति का सकारात्मक मूल्यांकन किया और दोनों देशों के लोगों के साझा लाभ के लिए सहयोग को और विकसित एवं गहन करने पर ज़ोर दिया। शेख मोहम्मद ने प्रधानमंत्री मोदी को भारत के इतिहास में दूसरे सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बनने पर हार्दिक बधाई दी और राष्ट्र की सेवा में उनकी निरंतर सफलता की कामना की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति को उनकी शुभकामनाओं और भारत के लोगों के प्रति स्नेह व्यक्त करने के लिए धन्यवाद दिया।

भारतीय अर्थव्यवस्था ठप है, पूरी दुनिया जानती, पीएम भी इसे मान लें: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क (टैरिफ) लगाए जाने की घोषणा और भारतीय अर्थव्यवस्था को ''डेड इकॉनमी'' कहे जाने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ठप पड़ी है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री इस सच्चाई को मानने को तैयार नहीं हैं। राहुल गांधी ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि ट्रंप ने केवल सच्चाई को उजागर किया है।

सुप्रीम कोर्ट तय करेगा रोहिंग्या शरणार्थी हैं या वे अवैध प्रवासी

नई दिल्ली। रोहिंग्याओं के मामले पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि सबसे पहले वो इस बात पर विचार करेगा कि क्या रोहिंग्या शरणार्थी हैं या वे अवैध प्रवासी। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि जब न्यायालय इस मसले पर फैसला कर लेगा, तब दूसरे मसलों का निपटारा हो जाएगा। उच्चतम न्यायालय रोहिंग्याओं को लेकर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। न्यायालय ने कहा कि क्या रोहिंग्या शरणार्थी का दर्जा पाने के हकदार हैं। अगर वे शरणार्थी का दर्जा पाने के हकदार हैं, तो उन्हें किस तरह की सुरक्षा या सुविधाएं मिलेंगी।

कैबिनेट ने 11 हजार करोड़ रुपये की चार रेलवे परियोजनाओं दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे की क्षमता विस्तार की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है जिससे मालवहन क्षमता में लगभग 10 करोड़ टन प्रतिवर्ष की वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज रेल मंत्रालय की कुल 11,169 करोड़ रुपये लागत वाली इन चार परियोजनाओं को अनुमति प्रदान की। सूचना प्रसारण, रेल, इलैक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने मध्यप्रदेश में इटारसी से महाराष्ट्र के नागपुर तक चौथी लाइन, महाराष्ट्र में ही औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) से परभणी दोहरीकरण, पश्चिम बंगाल में अलुआबारी रोड- न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन तथा झारखंड ओडिशा सीमा क्षेत्र में डांगोपोसी- जारोली तीसरी और चौथी लाइन की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई लाइन क्षमता गतिशीलता में काफी वृद्धि करेगी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव संचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़ को कम करने के लिए निर्मित किए गए हैं। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री मोदी के नवीन भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को ''आत्मनिर्भर'' बनाने के साथ-साथ रोजगार/स्वरोजगार के अवसर भी सृजित करेंगी। श्री वैष्णव ने कहा कि

परियोजनाओं की योजना पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पर बनाई गई है, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारक परामर्श के माध्यम से मल्टी-मोडल संपर्कता और रसद दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध संपर्कता प्रदान करेंगी।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड राज्यों के 13 जिलों को कवर करने वाली चार परियोजनाओं से भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 574 किलोमीटर की वृद्धि होगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 2309 गांवों तक संपर्क बढ़ेगा, जिनकी जनसंख्या लगभग 43.60 लाख है। ये कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, जिप्सम, फ्लाई ऐश, कंटेनर, कृषि उत्पाद और पेट्रोलियम उत्पादों आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं।

रेल मंत्री के अनुसार क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 95.91 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) सामान की आवाजाही होगी। रेलवे, पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (16 करोड़ लीटर) कम करने और कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन (515 करोड़ किलोग्राम) कम करने में मदद करेगा, जो 20 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को चार वर्षों के लिए 2 हजार करोड़ का अनुदान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार एक योजना के तहत राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। एनसीडीसी को वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक की अवधि के लिए कुल 2 हजार करोड़ रुपये की अनुदान राशि दी जाएगी। इससे एनसीडीसी अगले चार वर्षों में खुले बाजार से 20 हजार करोड़ तक की राशि जुटा सकेगी। यह फंड सहकारी समितियों को ऋण देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 2025-26 से 2028-29 तक 4 वर्षों की अवधि के लिए 2 हजार करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ केंद्रीय क्षेत्र योजना 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को अनुदान सहायता' को मंजूरी दी गई। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना से 13,288 सहकारी समितियों के लगभग 2.9 करोड़ सदस्यों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की संभावना है। इन सहकारी समितियों में डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, चीनी, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण, कोल्ड स्टोरेज, श्रमिकों और महिला-नेतृत्व वाली सहकारिताएं शामिल हैं।

मालेगांव बम विस्फोट मामले में सभी सातों आरोपी बरी

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने मालेगांव में हुए बम विस्फोट के 17 वर्ष बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित सभी सात आरोपियों को गुरुवार को बरी कर दिया।

अदालत ने सुश्री ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), अजय राहिरकर, समीर कुलकर्णी, सुधाकर चतुर्वेदी और सुधाकर धर द्विवेदी को बरी कर दिया है। एनआईए अदालत की अध्यक्षता कर रहे विशेष न्यायाधीश ए के लाहोटी ने सभी आरोपियों को बरी करने की घोषणा करते हुए कहा,ह्लआतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता क्योंकि कोई भी धर्म हिंसा को उचित नहीं ठहरा सकता।

अधिवक्ता रंजीत नायर ने कहा, मैं आरोपी संख्या 11 सुधाकर चतुर्वेदी की तरफ से मामले की पैरवी कर रहा था। अदालत ने उसे इस आधार पर बरी कर दिया है कि अभियोजन पक्ष उसके खिलाफ कोई सबूत पेश नहीं कर सका। अधिवक्ता प्रकाश सालसिंगिकर ने मीडिया को बताया, अदालत ने कहा है कि यह घटना बहुत बुरी है। हालांकि, इस घटना में जिन लोगों की जानें गयी हैं उनकी क्षतिपूर्ति नहीं की जा सकती, लेकिन अदालत ने सभी के परिजनों को वित्तीय मदद देने का आदेश दिया है। इस फैसले से पहले दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय के आसपास कड़े सुरक्षा उपाय किए गए थे और न्यायालय परिसर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। गौरतलब है कि 29 सितंबर, 2008 की रात मालेगांव के भिक्कू चौक के पास हुए विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और सौ से ज़्यादा घायल हुए थे। यह बम एक एक मोटरसाइकिल में लगाया गया था। इस विस्फोट से सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इस शहर में दहशत और अफरा-तफरी मच गई।

इस मामले में पहले महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते ने जाँच की थी लेकिन वर्ष 2011 में इस मामले को एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया था। एनआईए ने इस मामले को फिर से दर्ज किया और जांच की थी। तब से, कई आरोपत्र और पूरक रिपोर्ट दायर की जा चुकी हैं। इस मामले के सातों आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय होने के बाद वर्ष 2018 में मुकदमा शुरू हुआ था।

शशि प्रकाश गोयल बने उत्तर प्रदेश के नए मुख्य सचिव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को सेवा विस्तार नहीं मिला है। मनोज कुमार सिंह की जगह मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल को नया मुख्य सचिव बनाया गया है।

गोयल ने गुरुवार को ही मुख्य सचिव कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण कर लिया। 1989 बैच के टॉपर होने और 8 साल से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अपर मुख्य सचिव होने के नाते एसपी गोयल की दावेदारी सबसे मजबूत मानी जा रही थी। मनोज कुमार सिंह का उनके कार्यकाल का आखिरी दिन था लेकिन केंद्र सरकार की तरफ से उनके सेवा विस्तार को मंजूरी नहीं दी गई। हालांकि मुख्यमंत्री कार्यालय ने आगामी कार्यक्रमों और परियोजनाओं का हवाला देते हुए केंद्र को पत्र लिखकर सिंह के लिए एक साल का सेवा विस्तार मांगा था। सिंह ने दुर्गा शंकर मिश्रा का स्थान लिया था, जिन्हें 31 दिसंबर, 2021 को सेवानिवृत्त होने से दो दिन पहले उत्तर प्रदेश वापस भेज दिया गया था और उन्होंने 30 दिसंबर को मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण किया था। केंद्र की पसंद माने जाने वाले मिश्रा का ढाई साल का कार्यकाल अवधि और विस्तार के लिहाज से रिकॉर्ड तोड़ रहा था। मिश्रा की नियुक्ति अन्य मायनों में भी असामान्य थी, क्योंकि उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई थी जब तत्कालीन मुख्य सचिव आरके तिवारी की सेवानिवृत्ति में अभी दो महीने बाकी थे। केंद्र सरकार के शहरी विकास मंत्रालय में सचिव मिश्रा को उत्तर प्रदेश वापस भेजने के आदेश 29 दिसंबर को जारी किए गए थे, जिसमें कहा गया था कि उन्हें मुख्य सचिव के रूप में उनकी 'प्रस्तावित नियुक्ति' के लिए वापस भेजा जा रहा है। यह बदलाव फरवरी 2022 के चुनावों से कुछ दिन पहले हुआ था।

‘पेयरिंग’ से बदलेगा यूपी में प्राथमिक शिक्षा का परिदृश्य : संदीप सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने गुरूवार को लोक भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश में विद्यालयों की पेयरिंग की प्रक्रिया पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि पेयरिंग की प्रक्रिया छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पेयरिंग का मतलब किसी भी विद्यालय को बंद करना नहीं है, न ही कोई पद कम अथवा समाप्त किया जा रहा है। कुछ जिलों में इस प्रक्रिया को लेकर आई शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है और जहां आवश्यक था, वहां विद्यालयों में पूर्ववत संचालन के आदेश दिए गए हैं। पेयर होने वाले किसी भी प्राथमिक विद्यालय की दूरी एक किलोमीटर से अधिक नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हमने किसी भी विद्यालय को स्थायी रूप से पेयर नहीं किया है। अगर कहीं बैठने की

- बंद नहीं होंगे विद्यालय, न कोई पद कम या समाप्त होगा
- 50 छात्र नामांकित वाले विद्यालयों में तीन शिक्षकों की तैनाती अनिवार्य होगी

असुविधा होगी या बच्चों की संख्या बढ़ेगी तो पुराने भवन में फिर से संचालन की व्यवस्था की जाएगी। हमारा यह भी प्रयास है कि 15 अगस्त तक कोई भी विद्यालय खाली न रहे। सभी विद्यालयों में प्री प्राइमरी और बाल वाटिका संचालित हो जाएं। मंत्री ने कहा पेयरिंग की प्रक्रिया के माध्यम से प्रत्येक कक्षा के लिए शिक्षक की

उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। शिक्षक-छात्र अनुपात बेहतर होगा और शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण तकनीकों का उपयोग करने का अवसर मिलेगा। इससे शिक्षण गुणवत्ता बढ़ेगी और बच्चों में आत्मविश्वास व भागीदारी की भावना भी विकसित होगी। उन्होंने कहा कि अधिक नामांकन वाले विद्यालयों को स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, अतिरिक्त कक्ष, कम्पोजिट ग्रांट, टीएलएम और खेल सामग्री जैसी सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर मिलेंगी। इससे बच्चों के शैक्षिक अनुभव को तकनीक और संसाधनों से समृद्ध किया जा सकेगा। रिक्त हुए भवनों का भी रचनात्मक उपयोग किया जाएगा। इन भवनों में बालवाटिकाएं और आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि पेयरिंग करते समय विद्यालय तक बच्चों की पहुंच सरल, सुगम और सुरक्षित हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया है। जिन विद्यालयों की भौगोलिक स्थिति, जैसे नदियां, रेलवे क्रॉसिंग या हाईवे आदि से बाधित हो सकती थी, उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया है। किसी भी प्रकार की विसंगति की स्थिति में तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। शिक्षकों और रसोइयों की भूमिका इस प्रक्रिया में यथावत रहेगी। किसी भी पद को समाप्त नहीं किया जा रहा है। बल्कि इस योजना के अंतर्गत यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जहां 50 तक छात्र नामांकित हैं, वहां तीन शिक्षकों की अनिवार्य तैनाती की जाएगी। 50 से अधिक नामांकन वाले विद्यालयों में निर्धारित मानकों के अनुरूप शिक्षकों की व्यवस्था की जा रही है। प्रदेश के सभी जिलों में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं, जो आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त होंगे और जहां प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षा एकीकृत रूप से दी जाएगी। इसी क्रम में चयनित विद्यालयों को स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, डिजिटल लाइब्रेरी, साइंस-मैथ लैब और खेल सामग्री जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। प्रदेश के कक्षा 1 से 8 तक के सभी छात्रों को यूनिफॉर्म, बैग, स्वेटर, जूते-मोजे और स्टेशनरी के लिए 1200 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है। इस वर्ष अब तक 1200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्थानांतरित की जा चुकी है।

पर्यावरण की अलख जगाने के लिये राजभवन कर्मियों ने की साइकिल यात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। धरती को हरा भरा रखने के संकल्प के साथ राजभवन के कर्मचारियों ने बाराबंकी जिले तक 110 किमी साइकिल चलायी और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिये वृक्षारोपण का महत्व समझाया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से राजभवन से बाराबंकी जिले के लिये 30 जुलाई से शुरु हुई ‘एक पेड़ मां के नाम 2.0’ साइकिल रैली दो दिनों में लगभग 110 किलोमीटर की यात्रा पूर्ण कर आज राजभवन में आकर समाप्त हुई। राजभवन के अधिकारियों व कर्मचारियों की यह साइकिल रैली लखनऊ से प्रारंभ होकर बाराबंकी जिले के देवा व बंकी होते हुए आज दूसरे दिन कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, हरख पहुँची। विद्यालय की प्रभारी साधना सिंह के साथ शिक्षा विभाग और प्रशासन के अधिकारी एवं विद्यालय के विद्यार्थियों ने रैली दल का पारंपरिक स्वागत किया तथा पौधरोपण, स्वच्छता एवं संवाद सत्र में भाग लिया। इस दौरान तीन कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में कुल 600 पौधों का सामूहिक वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, छात्राओं से संवाद और हस्ताक्षर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। विद्यालय परिसरों में नीम, जामुन, मौलश्री, सहजन, छितवन, बॉटल ब्रश, अमरूद आदि प्रकार के पौधे लगाए गए। राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यालय की छात्राओं से उनके कक्षाओं में जाकर संवाद किया। छात्राओं के अनुशासन, शिक्षामें रुचि और आत्मविश्वास की सराहना की गई। अधिकारियों ने बालिकाओं को जीवन में आगे बढ़ने, पर्यावरण संरक्षण करने तथा स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिये महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विद्यालयों में पर्यावरण, स्वच्छता और शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिये हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में कालाजार तीन जिलों तक सिमटा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कालाजार बीमारी अब सिमट कर महज तीन जिलों में रह गई है। इन जिलों में भी कालाजार की रिपोर्ट अपेक्षाकृत काफी कम हुई हैं। जनवरी से अब तक सिर्फ सात रिपोर्ट दर्ज की गई है। राजधानी में बीते साल एक नेपाली युवक के कालाजार से पीड़ित होने की पुष्टि हुई थी। नेपाल बार्डर से सटे जिलों में पाई जाने वाली यह बीमारी वर्तमान में देवरिया, कुशीनगर, बलिया तक सिमट कर रह गई है जबकि इससे पूर्व प्रदेश के कुल छह जिले कुशीनगर, देवरिया, बलिया, बनारस, गाजीपुर और भदोही प्रभावित थे। संयुक्त निदेशक (कालाजार) डा. एके चौधरी ने बताया कि प्रदेश में प्रति 10 हजार की आबादी पर एक केस होने की वजह से वर्ष 2019 में कालाजार बीमारी को खत्म मान लिया गया है। डब्ल्यूएचओ के मानक के अनुसार एक ब्लॉक में दस हजार की आबादी पर प्रति वर्ष एक मरीज मिलता है तो इसे उन्मूलन की श्रेणी में मान लिया जाता है। अभी तक प्रदेश में मानक से कम मरीज मिल रहे हैं। ऐसे में यह बीमारी उन्मूलन की श्रेणी में आती है। वही वर्ष 2024 में देवरिया में एक, कुशीनगर में सात और बलिया में दो मरीज पाए गए थे। डॉ चौधरी ने बताया कि मरीजों की मानक से कम संख्या मिलने पर इस बीमारी को उन्मूलन की श्रेणी में डाला गया है। लेकिन अभी राष्ट्रीय स्तर पर इसे उन्मूलन नही माना गया है। इसके पीछे झारखंड, उड़ीसा, बिहार जैसे राज्यों में अभी भी इसका प्रकोप है, जिसके चलते इसे खत्म होने में नही शामिल किया गया है। गौरतलब है कि कालाजार, जिसे लीशमैनियासिस भी कहा जाता है, एक संचारी रोग है जो परजीवी लीशमैनिया डोनोवानी के कारण होता है। यह बीमारी मादा सैंडफ्लाई (फ्लेबोटोमाइन सैंडफ्लाई) के काटने से फैलती है, जो परजीवी को फैलाती है। कालाजार से प्रभावित होने वाले मुख्य अंग यकृत, प्लीहा और अस्थि मज्जा हैं।

योगी के नेतृत्व में विकास की नई परिभाषा गढ़ रहा लखनऊ: राजेश्वर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके नेतृत्व में लखनऊ विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुँच रहा है। राजेश्वर सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बुधवार देर रात लिखा , श्रद्धेय योगी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में लखनऊ, संरचनात्मक विकास और समग्र जनकल्याण की एक नई परिभाषा लिख रहा है। आज यशस्वी मुख्यमंत्री परम आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में आयोजित लखनऊ मंडल की समीक्षा बैठक में सहभागिता की। बैठक के दौरान लखनऊ के सर्वांगीण विकास से संबंधित विविध विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। लखनऊ और विशेष रूप से सरोजनीनगर के लिए यह गौरव का क्षण है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा सरोजनीनगर में फ्लाईओवर, रेलवे ओवरब्रिज , प्रमुख जिला सड़कें, दीर्घ सेतु और लघु सेतु जैसे 101 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर संभावनात्मक विमर्श भी किया गया।सरोजनीनगर के सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर को समर्पित इस अनुग्रह के लिए, सरोजनीनगर परिवार श्रद्धेय मुख्यमंत्री जी के प्रति कृतज्ञ और ह्रदय से आभारी है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने बुधवार देर शाम को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर लखनऊ मण्डल के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद बैठक की थी जिसमें मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया था।

कार्मिकों को 30 सितंबर तक पुरानी पेंशन योजना का विकल्प चुनने का मौका

लखनऊ। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली एनपीएस से आच्छादित राज्य सरकार के ऐसे कार्मिक जिनकी नियुक्ति 28 मार्च 2005 से पहले निकाले गए विज्ञापनों के आधार पर हुई है, उन्हें पुरानी पेंशन योजना ओपीएस का विकल्प चुनने का और एक मौका दिया जा रहा है। पात्र कार्मिक अब 30 सितंबर तक पुरानी पेंशन योजना का विकल्प चुन सकेंगे। प्रदेश कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई थी। अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार नियुक्ति प्राधिकारी के स्तर से आदेश जारी करने की तिथि 30 नवंबर तथा एनपीएस खाता बंद करने की तिथि 28 फरवरी 2026 कर दी गई है।

यूपी मार्ट पोर्टल’ से एमएसएमई सेक्टर को मिलेगी नई उड़ान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को नई ऊर्जा देने की दिशा में एक और क्रांतिकारी कदम बढ़ाया है। उद्योग स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए अब मशीनरी की तलाश और सही सेवा प्रदाताओं तक पहुंच बनाना पहले जैसा मुश्किल नहीं रहेगा। सरकार ने इसके लिए ‘यूपी मार्ट पोर्टल’ विकसित किया है जो एक समर्पित और बहुउद्देशीय प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवा कॉन्क्लेव‘ का उद्घाटन करने के साथ ही यूपी मार्ट पोर्टल की भी शुरुआत की। इसका उद्देश्य स्टार्टअप्स के लिए आवश्यक उपकरणों तक पहुंच को आसान बनाना है। सीएम युवा योजना के नोडल अधिकारी और ज्वॉइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज सर्वेश्वर शुक्ला के अनुसार इस पोर्टल पर राज्य भर के मशीनरी सप्लायर, फ्रेंचाइज़ी ओनर, सर्विस प्रोवाइडर और तकनीकी विशेषज्ञ एकत्रित होंगे। कोई भी उद्यमी यहां लॉग-इन करके अपने व्यवसाय की जरूरत के अनुसार मशीनरी की खोज कर सकेगा और ऑनलाइन संपर्क एवं कोटेशन प्राप्त कर सकेगा। उन्होंने बताया कि यूपी मार्ट पोर्टल का उद्देश्य उद्यमियों के समय, श्रम और संसाधनों की बचत करना है। इससे ''ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस'' को भी बढ़ावा मिलेगा और राज्य में उद्योगों की स्थापना की रफ्तार तेज होगी। सरकार का यह डिजिटल नवाचार राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करेगा और प्रदेश की औद्योगिक विकास यात्रा को नई दिशा देगा। राज्य के मशीनरी आपूर्तिकर्ताओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। वे पोर्टल पर अपना ऑनलाइन पंजीकरण कर, प्रदेश भर के ग्राहकों तक अपनी पहुंच बना सकेंगे।

मोदी–ट्रंप दोस्ती का खामियाजा देश भुगत रहा: अजय राय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 परसेंट टैरिफ लगाने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दोस्ती का खामियाजा देश भुगत रहा है ।

श्री राय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा ह्ल ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ ठोक दिया, साथ ही पेनल्टी भी लगा दी।नरेंद्र मोदी की ‘दोस्ती‘ का खामियाजा देश भुगत रहा है। पीएम मोदी ने ट्रंप का प्रचार किया और लपक-लपककर गले मिले। फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया में ट्रेंड कराया था। आखिर में ट्रंप ने भारत पर टैरिफ ठोक दिया। भारत की विदेश नीति पूरी तरह फ़ेल हो चुकी है।

गौरतलब है कि बुधवार को अमेरिका ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ लगाने की घोषणा करते हुए कहा कि मित्र होने के बावजूद भारत और अमेरिका ने अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है।

बाल श्रम से मुक्त होंगे प्रदेश के आठ आकांक्षी जनपद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- पंचायत स्तर पर प्रवासी बच्चों का डाटा संग्रह अनिवार्य, हर बच्चे की होगी निगरानी

लखनऊ। योगी सरकार ने राज्य को बाल श्रम से पूरी तरह मुक्त कराने के लिए व्यापक और चरणबद्ध रणनीति तैयार की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में श्रम विभाग द्वारा तैयार इस राज्य कार्ययोजना के केंद्र में महिला एवं बाल विकास विभाग को रखा गया है, जो न केवल संकटग्रस्त बच्चों की पहचान और सहायता करेगा, बल्कि पुनर्वासन के हर स्तर पर प्रमुख भूमिका निभाएगा।

प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि दिसंबर 2026 तक प्रदेश के आठ आकांक्षी जनपदों बहराइच, बलरामपुर, चंदौली, चित्रकूट, फतेहपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और सोनभद्र को बाल श्रम से मुक्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही कानपुर मंडल और देवीपाटन मंडल में भी विशेष बाल श्रमरोधी अभियान चलाया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत वन स्टॉप सेंटर, बाल सेवा योजना और स्पॉन्सरशिप योजना जैसी योजनाओं को बाल श्रमिकों के पुनर्वासन में प्रभावी रूप से उपयोग में लाया जाएगा। वन स्टॉप सेंटर अब न केवल संकट में फंसे बच्चों को अस्थायी आश्रय देंगे, बल्कि उनकी पहचान, स्वास्थ्य जांच, परामर्श और समाज में पुनर्स्थापन की भी व्यवस्था करेंगे। ‘बाल सेवा योजना’ के तहत अनाथ, परित्यक्त और संकटग्रस्त बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे उनकी शिक्षा और पालन-पोषण बाधित न हो। इस योजना के तहत योगी सरकार ऐसे बच्चों को 2500 रुपये प्रतिमाह उपलब्ध कराती है। इसी प्रकार, स्पॉन्सरशिप योजना के माध्यम से कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के बच्चों को प्रतिमाह सहयोग राशि दी जाती है, ताकि वे शिक्षा और जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित न रहें। ये दोनों योजनाएं अब बाल श्रमिक बच्चों के पुनर्वास का भी मजबूत आधार बनेंगी। प्रदेश सरकार की बाल श्रमिक विद्या योजना का विस्तार अब सभी 75 जिलों में करने की योजना है। इस योजना के तहत काम में लगे बच्चों को दोबारा शिक्षा से जोड़ा जाएगा और उन्हें छात्रवृत्ति, पुस्तकें, यूनिफॉर्म और विशेष शिक्षण सहायता प्रदान की जाएगी। शिक्षा विभाग इन बच्चों के पुनः नामांकन और शैक्षिक सहयोग की जिम्मेदारी निभाएगा। पंचायत स्तर पर कामकाजी बच्चों और प्रवासी श्रमिक परिवारों के बच्चों का विस्तृत डेटा एकत्र किया जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा निगरानी से बाहर न रहे। पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्कूल प्रबंधन समितियां इस कार्य में सहयोग करेंगी। इसके अलावा, बाल श्रम उन्मूलन अभियान को जनांदोलन बनाने के लिए गैर सरकारी संगठनों (गक्रप), शैक्षणिक संस्थानों और सिविल सोसाइटी की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

शाही ने की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का समय बढ़ाने की गुजारिश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की तिथि को 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 अगस्त तक करने की मांग की है ताकि अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिल सके। श्री शाही ने बताया कि उन्होने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट कर उत्तर प्रदेश के किसानों से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसलों के बीमा की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 अगस्त करने का आग्रह किया, ताकि अधिकाधिक किसान इसका लाभ ले सकें। कृषि मंत्री ने बताया कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए कीटनाशकों के स्थान पर जैव कीटनाशकों को प्रोत्साहित करने पर विस्तार से चर्चा की। यह कदम किसानों, उपभोक्ताओं एवं मिट्टी की सेहत तीनों के हित में होगा। प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में स्पीड ब्रीडिंग लैब की स्थापना के लिये अनुरोध किया, जिससे कम समय में उन्नत फसल प्रजातियों का विकास संभव हो सके।

मेकमायट्रिप ने लॉन्च किया ग्लोबल टूर्स एंड अट्रैक्शन बुकिंग प्लेटफॉर्म

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत की अग्रणी ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी मेकमायट्रिप ने वैश्विक अनुभवों की दुनिया में कदम रखते हुए अपने नए टूर्स एंड अट्रैक्शंस बुकिंग प्लेटफॉर्म की शुरुआत की है। इस प्लेटफॉर्म के ज़रिए भारतीय यात्री अब 130 देशों के 1100 शहरों में 2 लाख से ज़्यादा एक्टिविटीज़ जैसे सिटी वॉक, कल्चरल टूर, थीम पार्क और एडवेंचर स्पोर्ट्स आसानी से सर्च और बुक कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य भारतीय आउटबाउंड टूरिस्ट्स की उन परेशानियों को हल करना है, जो उन्हें अक्सर टुकड़ों में बिखरी जानकारी, विदेशी मुद्रा में मूल्य निर्धारण और असंगठित योजना उपकरणों के कारण होती हैं। मेकमायट्रिप का यह नया प्लेटफॉर्म इन सभी अनुभवों को एक आसान और इंटीग्रेटेड इंटरफ़ेस में लाकर योजना को सहज, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने का प्रयास करता है। इस अवसर पर मेकमायट्रिप के को-फाउंडर और ग्रुप सीईओ, राजेश मागो ने कहा जब भारतीय विदेश यात्रा करते हैं, तो अनुभवों पर कियाब गया खर्च उनकी कुल यात्रा लागत का बड़ा हिस्सा होता है। फिर भी, इन अनुभवों को ढूंढना और बुक करना अभी भी यात्रा की सबसे जटिल प्रक्रिया है। हम चाहते हैं कि जैसे हम फ्लाइट, होटल और स्थानीय परिवहन की बुकिंग को आसान और व्यक्तिगत बनाते हैं, वैसे ही अनुभवों की खोज और बुकिंग को भी सरल औरब सुविधाजनक बनाएं। यह लॉन्च हमारी उस सोच का अगला कदम है, जिसमें हम मेकमायट्रिप को एक ऐसी पूरी यात्रा बुकिंग सेवा बनाना चाहते हैं, जो ग्राहकों को आसान और आनंददायक अनुभव दे। टूर्स एंड अट्रैक्शंस प्लेटफॉर्म यात्रियों को दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर स्थित मशहूर जगहों और स्थानीय अनुभवों की एक चुनी हुई रेंज को आसानी से खोजने और पहले से बुक करने की सुविधा देता है चाहे पेरिस का एफिल टावर और डिज़नीलैंड जैसी विश्व प्रसिद्ध जगहें हों, या दुबई का रोमांचक डेज़र्ट सफारी-या फिर हवाई के हरे-भरे कौ आई द्वीप के ऊपर हेलीकॉप्टर राइड या टोक्यो के ऐतिहासिक असाकुसा जिले में इंटरैक्टिव सूमो शो जैसे अनोखे अनुभव यह प्लेटफॉर्म सबकुछ एक ही जगह पर उपलब्ध कराता है। चाहे यात्री लोकप्रिय स्थलों की यात्रा करना चाहें या उन्हें किसी देश की सांस्कृतिक गहराइयों में उतरना हो, यह प्लेटफॉर्म हर तरह के अनुभवों को खोजने और एक्सप्लोर करने का एक सुविधाजनक समाधान प्रस्तुत करता है। इस प्लेटफॉर्म को दुनिया के प्रमुख एक्सपीरियंस प्रोवाइडर्स के साथ साझेदारी के जरिए तैयार किया गया है। इसे 247 ट्रैवल और असिस्टेंस डेस्क का समर्थन प्राप्त है, जो अलग-अलग टाइम ज़ोन और लोकेशन में यात्रा के दौरान लगातार सहायता सुनिश्चितकरता है। यूज़र्स यहां सभी गतिविधियों को भारतीय रुपये में ब्राउज़ और बुक कर सकते हैं, और सारी बुकिंग्स ‘मायट्रिप्स’ सेक्शन में फ्लाइट्स, होटल और अन्य बुकिंग्स के साथ एक ही जगह पर मिलेंगी। मेकमायट्रिप का इस नए क्षेत्र में कदम रखना यात्रा से जुड़े हर महत्वपूर्णहिस्से को बेहतर बनाने की दिशा में एक और प्रयास है।

आयात शुल्क की चुनौती को आत्मनिर्भरता में तब्दील करे मोदी सरकार: मायावती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आयात शुल्क पर अमेरिका द्वारा 25 फीसदी की बढ़ोत्तरी को देश की अर्थव्यवस्था के लिये नयी चुनौती बताते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने उम्मीद जाहिर की कि केन्द्र सरकार इस चुनौती को आत्मनिर्भरता में तब्दील करने में सफल होगी और राष्ट्र हित से कोई समझौता नहीं करेगी। सुश्री मायावती ने एक्स पर लिखा ह्ल मित्र’ देश बताने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय आयात पर कल दिनांक 1 अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क तथा रूस से तेल आयात करने पर पेनाल्टी लगाने की भी नई उभरी चुनौती को केन्द्र सरकार इसे अवसर एवं आत्मनिर्भरता में बदलकर देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं होने देगी, तथा इसको लेकर देश को दिये गये इस आश्वासन पर कि 'किसान, छोटे व मंझोले उद्योग और राष्ट्रहित से कोई समझौता नहीं करेगी’, इस पर सरकार खरी उतरकर दिखाएगी भी, ऐसी देश को आशा। उन्होने कहा भारत दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला अधिकतर ग़रीबों और मेहनतकश लोगों का देश है, जिसे हर हाथ को काम देने वाली श्रम शक्ति के बल पर देश को आगे बढ़ाने की नीति बनाकर उस पर सही से अमल किया जाये तो देश निश्चय ही आत्मनिर्भरता के साथ-साथ 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय’ वाला सुखी व सम्पन्न देश बन सकता है, जिसमें ही संविधान के मानवतावादी एवं कल्याणकारी उद्देश्य के हिसाब से जन व देशहित पूरी तरह से निहित है व यह सुरक्षित भी रह सकता है। गौरतलब है कि अमेरिका ने बुधवार को भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है और रूस से सैन्य उपकरण तथा तेल खरीदने पर जुर्माना लगाने की बात भी कही है।

नवयुग में प्रेमचंद और गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग की नवज्योतिका संस्था द्वारा प्रेमचंद और गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के अवसर पर एक विशेष राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसका विषय था तुलसी का राम राज्य और प्रेमचंद का ग्राम स्वराज। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो.फ़ेसर रामकृष्ण जयसवाल ,नेशनल पीजी कॉलेज हिंदी विभाग ,विशिष्ट वक्ता प्रो यशवंत कुमार विरोदय ,शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय हिंदी विभाग एवं प्रोफ़ेसर ऋषि कुमार मिश्रा क्रिशचियन कॉलेज हिंदी विभाग महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो.फ़ेसर मंजुला उपाध्याय एवं हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो.फ़ेसर मंजुला यादव,डा अपूर्वा अवस्थी डा अंकिता पांडे,डा मेघना यादव उपस्थित रहीं ।कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती के चित्र तथा प्रेमचंद और तुलसीदास जी के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। सभी अतिथियों

का स्वागत पौध,अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह से किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिंदी विभाग की डॉक्टर अंकिता पांडे ने कहा कि आज दो महान विभूतियां प्रेमचंद और गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर इस महा कुंभ में आपका स्वागत करते हैं। विशिष्ट वक्ता प्रो. यशवंत कुमार विरोदय ने कहा कि जब हम आस्था और अकुंठित मानव चेतना की बात करते हैं तो हम देखते हैं ना तो तुलसीदास का समय अनुकूल था ना ही प्रेमचंद के समय अनुकूल परिवेश था। इसलिए ना तो तुलसीदास का रामराज्य पूरा हुआ ना ही प्रेमचंद का ग्राम स्वराज। तुलसी ने रामराज्य का जो स्वप्न देखा वह भारतीय संस्कृति और सामाजिक भूमि पर खड़े होकर देखा। प्रेमचंद प्रारंभिक दौर में गांधीवाद और बाद में यथार्थवाद से जूझते हुए अंत में गोदान उपन्यास लिखते हैं। उसमें होरी की विवशता है। तुलसी भी अंतिम समय में कवितावली में लिखते हैं खेती ना किसान को ना .... कहां जाई का करी।। इस प्रकार दोनों साहित्य कार यथार्थ पूर्ण कटुता से साक्षात्कार करना पड़ा। उन्होंने कहा दो विश्वयुद्धों के बाद आज हम तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़े है। इन युद्धों का प्रभाव हमारे साहित्य पर पड़ा।विशिष्ट वक्ता ऋषि कुमार मिश्रा ने कहा कुछ ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनका शरीर तो मर जाता है लेकिन उनके द्वारा किए गए कार्य या रचे गए शब्द जनमानस को सुवासित करते रहते हैं। ऐसे ही महान कवि तुलसीदास और गद्य लेखक प्रेमचंद थे जिन्होंने अपनी रचनाओं द्वारा जनमानस को सुवासित किया। मेधावी रचनाकार क्रांतिदृष्टा होता है तुलसी और प्रेमचंद दोनों ने कालजयी रचनाएं रचीं जो आज भी प्रासंगिक हैं। तुलसी ने राम के द्वारा मानवीय मूल्यों की स्थापना की । प्रेमचंद तुलसीदास के आधुनिक संस्करण थे। दोनों रचनाकार अपने साहित्य में रामराज और स्वराज समाज की रचना करते हैं क्योंकि दोनों के केंद्र में मनुष्य ही है। उन्होंने प्रेमचंद की तीन कहानियां परीक्षा, अनमोल रतन, बालककी चर्चा की। मुख्य वक्ता प्रो रामकृष्ण जयसवाल ने कहा कि प्रेमचंद का पूरा साहित्य नारियों के विभिन्न चरित्रों से ओतप्रोत है।उनकी अनेक कहानियों में नारियों के विभिन्न रूप दिखाई देते हैं। प्रेमचंद और तुलसीदास दोनों ने लोक और शास्त्र को मिलाकर अपनी रचनाएं रचीं। तुलसीदास पर विदेशी विद्वानों ने शोध किया वहीं प्रेमचंद के उपन्यास गोदान पर भी विदेशों में शोध हुए। उन्होंने कहा कि भारत भूमि की यह विशेषता है कि जब भी आवश्यक हुई यहां पर महापुरुषों के अवतार हुए और वसुधैव कुटुंब की भावना से साहित्य रचा गया। उन्होंने कुछ विशेष पुस्तकों की भी चर्चा की। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो मंजुला उपाध्याय ने कहा तुलसी ने रामचरित मानस के द्वारा जीवन के सभी आदर्शों की स्थापना की। आदर्श पुत्र, आदर्श पत्नी आदर्श भाई, आदर्श पिता के रुप को रामचरितमानस में स्थान दिया। प्रेमचंद का साहित्य तत्कालीन समाज से प्रभावित रहा उन्होंने वंचितों पर , समाज की विभिन्न परिस्थितियों पर साहित्य रचा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर मंजुला यादव द्वारा दिया गया। अतिथियों का परिचय डा मेघना यादव द्वारा दिया गया।छात्रा खुशी ने राम भजन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त प्रवक्ताएं और छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

मालेगांव मामले के निर्णय ने सिद्ध किया हिन्दू आतंकवाद नहीं होता

- अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने किया निर्णय का स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी, संगठन के राष्ट्रीय संयोजक पंकज तिवारी ने आज मालेगांव मामले में सभी आरोपियों को बरी किये जाने के निर्णय का स्वागत करते हुये कहा है कि इस निर्णय ने भी सिद्ध कर दिया हिन्दू आतंकवाद नहीं हो सकता। श्री त्रिवेदी ने कहा कि हिन्दु समाज और भगवा को बदनाम करने के लिये आतंकवाद की स्क्रिप्ट लिखने वाले मुस्लिम वोटबैंक के लिये इतना नीचे गिर जायेगें इसकी कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज न्यायालय ने अपने निर्णय में पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह, मेजर रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी सहित लोगों इस मामले से बरी कर साफ दिया कि यह सिर्फ़ राजनीतिक साज़िश नहीं थी, यह सनातन धर्म पर हमला था। मंदिर की घंटियों को बम की आवाज़ों में तब्दील करने की कोशिश थी और अब जब झूठ बेनकाब हो चुका है हर सनातनी को आवाज़ उठानी होगी कि ये माफ़ी नहीं, जवाबदेही का समय है। वहीं संगठन संयोजक पंकज तिवारी ने कहा कि निर्णय ने देश में राजनीतिक स्वार्थ के कारण सनातनी समाज को बदनाम करने वालों का चेहरा बेनकाब कर दिया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में सनातन और भगवा को बदनाम न कर सके इसके लिये सभी सनातनियों को एकजुट होना जरूरी है।

जन सुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनी 74 शिकायतें

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। कलेक्ट्रेट कक्ष में जिलाधिकारी अनुनय झा ने बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में कुल 74 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। मौके पर ही पात्रों को वृद्धावस्था पेंशनए निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन से आच्छादित कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनवाया गया। आज 01 बुजुर्ग का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इस प्रकार अब तक जिलाधिकारी अनुनय झा की जन सुनवाई में कुल 229 आयुष्मान कार्ड बनवाये जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि पैमाइश व अंश निर्धारण के प्रकरणों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। थाकबंदी के प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई की जाये। फूल सिंह नाम के इंटर के एक छात्र जिसके माता पिता का देहांत हो चूका हैए को बाल सेवा योजना से आच्छादित कराया गया। उसका अंत्योदय कार्ड बनवाने के निर्देश दिए गए तथा साथ ही दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही फूल सिंह की बहन को भी बाल सेवा योजना से आच्छादित कराया गया। जन सुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चों के साथ व्यवहार में रखें संवेदनशीलता: जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बाल संप्रेषण गृह (किशोर) का निरीक्षण किया। उन्होंने संप्रेषण गृह में रह रहे बच्चों से उनके खान-पान व शिक्षण आदि के संबंध में संवाद किया। जिलाधिकारी ने विवेकानंद पुस्तकालय में वहां की व्यवस्थाएं देखी और वहाँ अध्ययनरत किशोरों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों के शयनकक्ष व बाथरूम आदि की व्यवस्था देखी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों को खाना खाने के लिए एक डाइनिंग हॉल की व्यवस्था की जाए तथा पर्याप्त संख्या में कुर्सी व मेज आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। क्लास रूम की छत को ठीक कराया जाए। आगे की बाउंड्री वाल को ठीक कराया जाए उन्होंने परिसर में ओपन जिम की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिन संगीत शिक्षक द्वारा बच्चों को संगीत का प्रशिक्षण दिया जाए। परिसर के सामने के तालाब को विकसित किया जाए। उन्होंने बाल संप्रेषण गृह के अधीक्षक सौरभ पाठक को निर्देश दिया कि बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखा जाए। अपने व्यवहार में पूरी संवेदनशीलता रखी जाए। बच्चों को रचनात्मक गतिविधियों में लगाया जाए। जिलाधिकारी ने नवनिर्मित चहारदीवारी को देखा। भोजन आदि की व्यवस्था के संबंध में उन्होंने निर्देशित किया कि बच्चों को रोस्टर के अनुसार पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए। संप्रेषण गृह के बच्चों को मिष्ठान वितरण कराया गया। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय निगम व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जयंती के उपलक्ष्य में समारोह का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। गुरूवार को श्री तुलसीदास की जयंती के उपलक्ष्य में स्थानीय नघेता रोड स्थित श्री बाबूलाल गुप्ता मोंटेसरी स्कूल मे समारोह का आयोजन बहुत ही उल्लास से मनाया गया इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अविनाश चंद्र गुप्ता पूर्व सरकारी वकील ने गोस्वामी के कृतित्व और व्यक्तित्व के विषय में बोलते हुये गोस्वामी की सभी रचनाओं के महत्व को बताते हुए उनमें दिए गए उपदेश को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया बच्चों से प्रतिदिन श्री रामचरित मानस की कम से कम एक चौपाई का पाठ करने का अनुरोध किया ताकि हम अपने संस्कृति और संस्कारों को ना भूले। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कवि श्रवण मिश्रा रही ने अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से गोस्वामी जी के विषय में बच्चों को जानकारी दी और बच्चों से श्री राम जी के आदर्शों पर सदैव चलने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ववेक दीक्षित ने भी बच्चों को गोस्वामी जी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुये उनके द्वारा रचित ग्रंथों को पढ़कर उस से ज्ञान और प्रेरणा लेने का आवाहन किया। इसके पूर्व अविनाश गुप्ता ने गोस्वामी जी के चित्र पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्ज्वलन किया।

समारोह मे विद्यालय के बच्चे एवं सभी अध्यापक अध्यापिकाएं उपस्थित रहे। समारोह का संचालन इला गुप्ता ने किया।

नवनिहालो के हित मे शिक्षा मंत्री ने कहा एक भी स्कूल नही होगा बंद

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शिक्षा मंत्री ने कहा कि जो स्कूल मर्ज हो चुके हैं। उनको अनपेयर यानी उनका मर्जर कैंसिल किया जाएगा। साथ हीए मर्जर में स्कूल की जो बिल्डिंग खाली हो रही हैं, उनमें बाल कल्याण विभाग के सहयोग से बाल वाटिका शुरू की जाएगी। इसमें 3 से 6 साल के बच्चे पढ़ेंगे।

लोक भवन मेंआयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्री ने दावा किया कि कोई भी स्कूल बंद नहीं होगा। न ही एक भी टीचर का पद समाप्त किया जाएगा। दरअसलए यूपी सरकार ने 16 जून 2025 को प्राइमरी स्कूलों का मर्ज करने का फैसला किया था। अब तक 10827 स्कूल का मर्जर हुआ है। एक किलोमीटर से अधिक दूरी और 50 से अधिक छात्र संख्या वाले जो स्कूल मर्ज हुए हैं, उन्हें फिर अनपेयर किया जाएगा। यानी, मर्जर कैंसिल किया जाएगा। सरकार शिक्षा भर्ती के खिलाफ नहीं है। छात्र शिक्षक अनुपात के अनुसार, 50 छात्र संख्या वाले स्कूल में दो सहायक टीचर और एक विषय टीचर नियुक्त किया जाएगा। इस मानक को पूरा करने के लिए आवश्यक हुआ तो शिक्षक भर्ती करेंगे। मर्जर से खाली स्कूल में महिला और बाल कल्याण विभाग के सहयोग से बाल वाटिका चलाई जाएगी। बाल वाटिका में 3 से 6 साल के बच्चे पढ़ेंगे, उनके लिए पाठ्यक्रम तैयार किया है। बाल वाटिका के लिए एजुकेटर्स भी जेम पोर्टल से भर्ती किए। स्कूलों का मर्जर छात्र हित में किया गयाए ताकि उन्हें बेहतर शिक्षा और संसाधन मिले। कोई भी स्कूल बंद नहीं होगा और शिक्षक का एक भी पद समाप्त नहीं होगा! प्रदेश में बिना मान्यता के संचालित स्कूलों को अभियान चलाकर बंद किया जाएगा।

पुलिस विभाग में हुआ फेरबदल

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने 6 इंस्पेक्टरों और 12 एसआई का ट्रांसफर किया है। देहात कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सिंह को बेहटा गोकुल प्रभारी बनाया गया तो वहीं सोशल मीडिया सेल के प्रभारी विनोद कुमार यादव को दिया गया देहात कोतवाली का चार्ज, पिहानी कोतवाल विद्यासागर पाल को पिहानी से हटाकर बनाया गया संडीला कोतवाल, छोटेलाल कछौना की जगह अब होंगे पिहानी कोतवाल तो वहीं संडीला के कोतवाल रहे विजय कुमार महिला संबंधी अपराध में लापरवाही बरतने के चलते किया गया लाइन हाजिर, सवायजपुर थानाध्यक्ष प्रेमकुमार को बनाया गया कछौना थानाध्यक्ष, संडीला कस्बा चौकी इंचार्ज प्रिंस कुमार को बनाया गया सवायजपुर थानाध्यक्ष, बेहटा गोकुल थानाध्यक्ष प्रेमपाल को कार्य में लापरवाही बरतने पर एसपी ने किया लाइन हाजिरए पुलिस लाइन से राजेश कुमार सिंह को जहानीखेड़ा चौकी इंचार्ज और हरिओम चतुर्वेदी को कासिमपुर की माडर चौकी का इंचार्ज बनाया गया है।

पुरानी रंजिश को लेकर हिंसक झड़प में गर्भवती महिला घायल

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली कछौना के अंतर्गत समसपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में लाठी डंडे चटके जिसमें एक गर्भवती महिला वह अन्य लोग घायल हो गए। गाँव निवासी मकसूद पुत्र माशूक अली एक निजी विद्यालय में अपना वाहन चलाते हैं, जिसे वह अपने घर पर लाकर खड़ा करते हैं। कुछ दिनों पहले उनके वाहन से गांव के ही दो लोग घायल हो गए थे, जिसके बाद घायल व्यक्तियों ने उक्त वाहन चालक के खिलाफबुधवार को कोतवाली में तहरीर देखकर मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद भी विवाद शांत नहीं हुआ। मकसूद का आरोप है कि आज वसीम, राजू, तालिब और वसीक सभी सगे भाई पुत्र शरीफआदिपीड़ित के घर पर हमलावर हो गए, जिसमें उनकी बहू सबाना को चोटें आई। उपनिरीक्षक पन्नालाल सोनी ने बताया कि पिछले दिनों इन दोनों पक्षों में भी विवाद हुआ था जिसे लेकर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। दोनों पक्ष एक ही मोहल्ले के हैं। घायलों का मेडिकल परीक्षण कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

पदाधिकारियों का नगर अध्यक्ष ने पटका पहनाकर स्वागत किया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। गुरुवार को दोपहर ०3:00 बजे भाजपा नगर मंडल शाहाबाद की कार्यकारिणी के पुनर्गठन पर भाजपा के नगर अध्यक्ष अनिल पांडे पिंटू ने सभी पार्टी पदाधिकारियों एवं शक्ति केंद्र संयोजकों को पटका पहना कर एवं मुंह मीठा कराकर स्वागत किया। तथा नये पदाधिकारियों का परिचय कराया गया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष अनिल पांडे पिंटू ने कहा पुनर्गठित कमेटी के नए और पुराने पदाधिकारी अपनी ज़िम्मेदारियों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वाह करें। उन्होंने कहा सभी की जिम्मेदारी है भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और नीतियों का प्रचार प्रसार करें तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करके उनका लाभ उठाने की अपील करें। इस अवसर पर सुभाष रस्तोगी, आनंद गुप्ता, सुभाष सिंह आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पटका पहनाकर पदाधिकारी का सम्मान करते नगर अध्यक्ष अनिल पांडे पिंटू

पानी निकास को लेकर विवाद, पिता पुत्र घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिकंदरपुर नरकतरा में बुधवार की सुबह करीब नौ बजे घर के गंदे पानी के निकास को लेकर हुए विवाद में पिता पुत्र को मारपीट कर घायल कर दिया गया। इस मामले में पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित बहादुर पुत्र ढाकन के अनुसार गांव के विपक्षी भाइयों रामवीर और यदुवीर पुत्र गण रामकिशोर ने उसके घर के सामने टटिया लगा दी और उसके घर के पनाले को बंद कर दिया। मना करने पर आरोपियों ने अपनी मां फुल्ला और रामवीर की पत्नी प्रियंका के साथ मिलकर लाठी डंडों से उसे और उसके पुत्र को पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवती को पिटाई, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर मजरा टुर्मुकी में 20 जुलाई को एक युवती को मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। पीड़िता सहनाज बानो पत्नी साबिर खां के अनुसार उसने लकड़ी को अपने दरवाजे पर डाल रखा था। इसी बात से नाराज होकर विपक्षी रिजवान पुत्र लियाकत ने अपने भाई इरफान और जुफरान के साथ मिलकर गाली गलौज करते हुए उसे लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। गांव वालों ने शोर सुनकर उसे बचाया तो विपक्षी उसे जान से मार डालने की धमकी देकर भाग गए। थाना प्रभारी सत्य प्रकाश मिश्रा ने बताया पीड़िता की तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज ली गई है पुलिस मामले में विधिक कार्यवाही कर रही है।

परिषदीय विद्यालयों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

मासिक समीक्षा बैठक में मौजूद अधिकारी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ के निर्देशानुसार ब्लॉक सभागार में खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार झा की अध्यक्षता में समस्त परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में मुख्य रूप से निपुण भारत मिशन, डीबीटी की तैयारियों पर चर्चा, समेकित शिक्षा और पीएफघ्मएस व्यय आदि एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अकादमिक रिसोर्स पर्सन शिवम गुप्ता द्वारा निपुण प्लस ऐप के प्रयोग के बारे में जानकारी दी गई। एम आई एस अंकित त्रिपाठी द्वारा यू डायस प्रोग्रेशन एक्टिविटी पर चर्चा की गई। खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा मुख्य रूप से प्रार्थना सभा को रोचक ढंग से कराकर प्रत्येक दिवस फोटो ग्राफ उपलब्ध कराने के संबंध में निर्देश प्रदान किए गए। इसके साथ ही नवोदय फॉर्म, इंस्पायर अवार्ड फॉर्म अधिक से अधिक भरे जाने हेतु प्रेरित किया गया। बैठक में विकास खण्ड शाहाबाद के समस्त परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं नोडल संकुल उपस्थित रहे।

मल्लावाँ पावर हाउस में एसडीओ व जेई के द्वारा बाटी गई सुरक्षा किट

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। गुरूवार को लाइनमैनो की सुरक्षा के हेतु मल्लावां पावर हाउस में सुरक्षा किट का वितरण किया गया। बरसात के मौसम में सुरक्षा की दृष्टि से यह कार्य किया जा रहा है सुरक्षा किट लाइनमैन की सुरक्षा के लिए होती है जिससे कोई अप्रिय घटना न घट सके इसलिए सुरक्षा किट सभी लाइनमैन को सभी फीडरों को उपलब्ध कराई जा रही है। सेफ्टी किट मे अर्थिंग चैन, सेफ्टी बेल्ट, एल्बी टेस्टर, पेंचकस, प्लास, हेलमेट, गलव्स, चढ़ने वाला झूला भी दिया गया।

इस अवसर पर एसडीओ मल्लावां रनवीर सिंह, जेई एहतेशाम अहमद, टी०जी०-2 विमलेश कुमार, संविदा कर्मी धीरज मिश्रा, पवन वर्मा, राहुल वर्मा, राहुल राठौर, सलीम, सत्यम कनौजिया, अनुराग पटेल, सतीश सिंह यादव, जितेन्द्र, इफ्तिखार, अनिल मामा आदि सभी कर्मी मौजूद रहे।

पालिका कर्मी को सेवा निवृत पर विदाई दी गई

महिला कर्मचारी को सम्मानित करते साथी कर्मचारी गण फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। नगर पालिका की चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के सेवा निवृत होने पर गुरुवार को एक समारोह का आयोजन कर विदाई दी गई। नगरपालिका में सुभद्रा देवी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्य कर रहीं थी। गुरुवार को सेवा निवृत होने पर नगर पालिका में उनका विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर ईओ कृष्ण कुमार सोनकर ने पुष्प गुच्छ देकर उन्हें सम्मानित करते हुए कहा सुभद्रा का कार्यकाल सराहनीय रहा। उन्होंने अपने कर्तव्यों को पूर्ण निष्ठा से निभाया लेकिन सरकारी कर्मचारी का एक निर्धारित उम्र पर सेवा निवृत होने का प्रावधान है। वह उनके सुनहरे भविष्य की कामना करते हैं। इस अवसर पर जेई कृष्ण कुमार यादव, कार्यवाहक सफाई इंस्पेक्टर इकबाल, टीआई अनस खां, अतुल मिश्रा, इमरान खां, रचित गुप्ता सहित पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुछ दिन पूर्व हुई सड़क दुर्घटना मे मृतका के पति को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। सिपाही व उसके परिवार द्वारा अपनी ही पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मोटरसाइकिल से गिरा कर हत्या को दुर्घटना का रूप देने की कोशिश में मृतका वादी की हैसियत से 28 जुलाई को विक्रम सिंह पुत्र रामनारायण निवासी ग्राम बदले पूरवा कोतवाली गुरसहाय गंज जनपद कन्नौज थाना मल्लावां पर तहरीर दी। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि शिव प्रताप पुत्र उदय प्रताप निवासी छटने पुर थाना सौरिख जनपद कन्नौज सहित पांच अभियुक्तों द्वारा अधिक दहेज की मांग को लेकर वादी की बहन को प्रताड़ित किया गया जिसके उपरांत अभियुक्त शिव प्रताप द्वारा थाना मल्लावां क्षेत्रांतर्गत तेरवा कुल्ही तिराहा पर वादी की बहन को मोटरसाइकिल से गिरा दिया जिससे उसकी मृत्यु हो गई। तहरीर मिलने के उपरांत पुलिस ने अभियुक्त शिव प्रताप को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की वहीं अन्य की तलाश में जुटी हुई है। बताते चलें मल्लावां थाना क्षेत्र के ग्राम मटिया मऊ तिरवाकुल्ही मार्ग पर एक डम्फर ट्रक से बुलेट मोटरसाइकिल टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जिसमें सिपाही शिव प्रताप सिंह की पत्नी लक्ष्मी की डंपर के नीचे आने से कुचलकर मौत हो गई थी। उस समय मृतक महिला के भाई ने सिपाही शिव प्रताप पर साजिशन दुर्घटना का रूप देकर हत्या करने की बात कही थी। शेष अभियुक्तों के गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है गिरफ्तार करने वाली टीम में उ०नि० संतोष पासवान थाना मल्लावां जनपद हरदोई का० अनुज कुमार थाना मल्लावां जनपद हरदोई का० शिवम दिवाकर थाना मल्लावां जनपद हरदोई शामिल रहे।

हत्या के प्रयास में दो गिरफ्तार, तलवार बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सुरसा (हरदोई)। स्थानीय पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में इस्तेमाल की गई तलवार को भी बरामद किया। थानाध्यक्ष सुरसा रमेश सिंह सेंगर ने बताया कि कुछ दिन पहले क्षेत्र के म्योनी गांव निवासी आत्माराम रैदास व जितेन्द्र पूर्व प्रधान वीरेन्द्र सिंह के घर पर बैठे थे। तभी अचानक गांव के महेन्द्र सिंह, ज्ञानू सिंह, दृगपाल सिंह, पंकज सिंहए सहित सहदेव ने रंजीशन उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिसमें पूर्व प्रधान पुत्र अजीत सिंह सहित आत्माराम व जितेन्द्र घायल हो गये थे। उपरोक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए दो आरोपियों महेन्द्र सिंह तथा ज्ञानचन्द्र ऊर्फ ज्ञानू को गिरफ्तार कर हमले में प्रयुक्त तलवार को बरामद कर हत्या के प्रयास सहित एससी/एसटी सहित संबन्धित अन्य धाराओं में अभियोग पंजीकृत करके दरोगा भूपेन्द्र सिंह आरक्षी विशाल सिंह होमगार्ड बिजयपाल द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है।

नौकरी का झांसा देकर बेरोजगारों से लाखों की ठगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। शिक्षित बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की वसूली कर ट्रेनिंग के नाम पर कस्बे के एक गेस्ट हाउस में बंधक बनाए जाने की शिकायत पर पांच आरोपियों को पड़कर जांच शुरू कर दी गई है।

अपने प्रार्थना पत्र में थाना रामगढ़ जनपद एटा निवासी सेवा निवृत हेड कांस्टेबल गया प्रसाद ने बताया कि मेरा नाती अंशुल कुमार पुत्र विमलेश कुमार थाना रामगढ़ जनपद फिरोजाबाद को 25 जुलाई 2025 को उसके दोस्त सचिन वह अंकुश ने बताया कि की रूद्रपुर उत्तराखंड में स्वास्थ्य विभाग में अर्ध सरकारी नौकरी के लिए साक्षात्कार होना है जिसके लिए रूपये 30000 की व्यवस्था करनी होगी। पीड़ित उसकी बात से सहमत हो गया उसके अपने उत्तराखंड पहुंचने पर दिव्यांश ने रोहित के द्वारा 30000 रुपए जमा किए। पीड़ित अंशुल के साथ उसके दोस्त अंकुश पवन व अनस भी 30000 रु०प्रति व्यक्ति के हिसाब से लेकर पहुँचे।

29 जुलाई 2025 को रात लगभग ०2: 00 बजे जीतू पुत्र धारा सिंह दौरेठा, शाहगंज जनपद आगरा रुद्रपुर से कछौना करीब 38 बच्चों को लेकर आया। जहाँ एक गेस्ट हाउस के अंदर कार्यालय पर एक प्राइवेट मार्केटिंग आर०एच०आई० का बोर्ड लगा देखा, जिसके बाद युवाओं को अपने ठगे जाने का एहसास हुआ। सभी के मोबाइल जमा कर लिए गए थे जिसके बाद किसी तरीके से पीड़ित ने अपने घर वालों किसी से फोन लेकर आप बीती सुनाई। परिजनों ने घटना कि सूचना तुरंत कोतवाली कछौना को दी। कछौना पुलिस ने सभी पांचो आरोपी जीतू पुत्र धारा सिंह जनपद आगरा, रोहित पुत्र राम प्रसाद जनपद फिरोजाबाद, सुमित पुत्र राकेश राठौर मल्लावां, अनवर पुत्र इदरीस किशनगंज बिहार संदीप पुत्र रामनरेश जनपद फतेहपुर सभी को पूछताछ के लिए थाने ले आई। खबर लिखें जाने तक मौके पर मौजूद दरोगा पन्नालाल सोनी मामले को सुलटाते हुए नजर आए और प्रकरण की जांच चलने की बात कहीं।

मल्लावाँ पावर हाउस में एसडीओ व जेई के द्वारा बाटी गई सुरक्षा किट

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। गुरूवार को लाइनमैनो की सुरक्षा के हेतु मल्लावां पावर हाउस में सुरक्षा किट का वितरण किया गया। बरसात के मौसम में सुरक्षा की दृष्टि से यह कार्य किया जा रहा है सुरक्षा किट लाइनमैन की सुरक्षा के लिए होती है जिससे कोई अप्रिय घटना न घट सके इसलिए सुरक्षा किट सभी लाइनमैन को सभी फीडरों को उपलब्ध कराई जा रही है। सेफ्टी किट मे अर्थिंग चैन, सेफ्टी बेल्ट, एल्बी टेस्टर, पेंचकस, प्लास, हेलमेट, गलव्स, चढ़ने वाला झूला भी दिया गया।

इस अवसर पर एसडीओ मल्लावां रनवीर सिंह, जेई एहतेशाम अहमद, टी०जी०-2 विमलेश कुमार, संविदा कर्मी धीरज मिश्रा, पवन वर्मा, राहुल वर्मा, राहुल राठौर, सलीम, सत्यम कनौजिया, अनुराग पटेल, सतीश सिंह यादव, जितेन्द्र, इफ्तिखार, अनिल मामा आदि सभी कर्मी मौजूद रहे।

पत्नी ने कहा खा लो ज़हर तो पति ने खाया ज़हर, मेडिकल कॉलेज रेफर

राष्ट्रीय प्रस्तावना

अस्पताल में सर्वेश उर्फ लाली फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। इश्क में मदहोश एक पत्नी दूसरी बार अपने पति को छोड़कर प्रेमी के साथ फरार हो गई। पति ने फोन करके जब पत्नी से पूछा तो पत्नी बोली खा लो जहर मेरा कुछ नहीं होगा। निराश हो चुके पति ने जहर खा लिया। आनन-फानन में सीएचसी लाया गया। जहां से उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हाथा हकीम जी का रहने वाला सर्वेश उर्फ लाली 35 वर्ष पुत्र तुलसीराम नवीन गल्ला मंडी में पल्लेदारी करके अपना जीवन यापन करता है। उसकी पत्नी बुधवार को मोहल्ले के ही रहने वाले एक गैर समुदाय के प्रेमी के साथ दूसरी बार चली गई। सर्वेश को जब पता चला तो उसने फोन पर अपनी पत्नी से बात की। बात ज्यादा बढ़ने पर पत्नी ने सर्वेश से कहा तुम्हें जहर खाना हो जहर खा लो। मेरा कुछ नहीं होगा। यह शब्द पति के दिल में उतर गए। सर्वेश ने चंद मिनट बाद ज़हर पी लिया। हालत बिगड़ने पर उसे सीएचसी लाया गया। जहां से उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। बताया जाता है सर्वेश चार बच्चों का पिता है और नवीन गल्ला मंडी में पल्लेदारी करके अपना जीवन यापन कर रहा है। सूचना पाकर अस्पताल पहुंचे तहसील प्रशासन के एक अधिकारी ने सर्वेश के बयान दर्ज किए हैं। परिजनों के अनुसार इससे पूर्व भी सर्वेश की पत्नी प्रेमी के साथ चली गई थी और कुछ दिनों के बाद वापस लौट आई। पत्नी के काफी मन मनोबल करने के बाद सर्वेश ने उसे रख लिया था। लेकिन बुधवार को पत्नी अपने पुराने प्रेमी के साथ भाग कर पति के जीवन से खिलवाड़ कर गई।

थकी-तनावग्रस्त पीढ़ी

अपने हालिया अध्ययन में यूरोपीय आयोग ने चिंता जतायी है कि सोशल मीडिया पर अतिसक्रियता से युवा पीढ़ी तनाव व थकान से जूझ रही है। इस संकट को लेकर भारतीय समाजविज्ञानी, चिकित्सक व मीडिया भी लंबे समय से चेतावनी देता रहा है। लेकिन जब कोई मुहिम व अध्ययन पश्चिमी जगत से आता है तो हम उसे विशेष महत्व देने लगते हैं। अब जब यूरोपीय आयोग जेनरेशन जेड को लेकर अपने निष्कर्ष सामने ला रहा है तो भारत में नये सिरे से उसकी चर्चा होने लगी है। विडंबना यह है कि पिछली सदी के अंतिम वर्षों से लेकर इस सदी के पहले दशक में पैदा हुए बच्चों की यह पहली पीढ़ी है, जिसे कम उम्र में ही सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से रूबरू होने का मौका मिल गया था। यह पीढ़ी पारंपरिक मानकों को चुनौती देकर अपना नया आकाश तलाशने की जद्दोजहद में जुटी रही है। इस पीढ़ी ने परंपरागत जीवन मूल्यों को तिलांजलि देकर अपनी महत्वाकांक्षाओं को अंजाम दिया। साथ ही नये नजरिये की जीवनशैली का अंगीकार किया। यह पीढ़ी डिजिटल युग के साथ कदमताल करती नजर आई। इंटरनेट के विस्तार के साथ वह सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों के साथ सहज दिखी। लेकिन काल्पनिक धरातल पर उगा सोशल मीडिया इस पीढ़ी को यथार्थ से बहुत दूर ले गया। फलतरू कठोर यथार्थ से जूझते हुए यह पीढ़ी कल्पना व वास्तविकता के द्वंद्व के चलते तनाव व असहजता के भंवर में जा फंसी। इस बात की पुष्टि यूरोपीय आयोग का अध्ययन भी करता है। आयोग कहता है कि लगातार सोशल मीडिया में सक्रियता के चलते युवाओं में चिंता, मानसिक थकान, कुछ खोने का भय व मोबाइल में चिपके रहने की विसंगतियां सामने आई हैं। यहां उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 के विश्व खुशी सूचकांक रिपोर्ट में भी इन खतरों की तरफ इशारा किया गया था। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि युवा वर्ग सबसे अधिक दुखी है। चौंकाने वाली बात यह थी कि उनमें तनाव व डिप्रेशन की वजह पढ़ाई या कैरियर की चिंता नहीं थी बल्कि इसकी मूल वजह सोशल मीडिया ही था। वास्तव में हमने कोरोना संकट से उबरने के लिये जिस ऑनलाइन व्यवस्था को अस्त्र के रूप में अपनाया था, कालांतर वह ही शस्त्र बनकर युवा पीढ़ी को जख्मी करने लगा। उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के दौरान जब संचार बंदी लागू हुई तो पूरी दुनिया में जनजीवन ठप पड़ गया। जिसके चलते घरों में कैद लोगों को इंटरनेट ही अंतिम सहारा नजर आया। धीरे-धीरे युवाओं का जीवन इंटरनेट पर बहुत ज्यादा आश्रित हो गया। जहां छात्रों की पढ़ाई ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भर हो गई, वहीं मनोरंजन की दुनिया भी मोबाइल आदि तक सिमट कर रह गई। वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिये शिक्षा व कैरियर का दबाव यथावत बना रहा। लेकिन एक हकीकत यह है कि जीवन व्यवहार में सब कुछ ऑनलाइन हो पाना संभव नहीं है। जीवन तो हमारी कठोर वास्तविकता और सामाजिक सहभागिता से ही चलता है। वैसे फिलहाल हमारा वैश्विक परिवेश भी कम उथल-पुथल वाला नहीं है। जब तक दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल में लगे झटके से उबर पाती, दुनिया में कई युद्धों व क्षेत्रीय संघर्षों ने पूरी दुनिया की आर्थिकी की स्वाभाविक गति को रोक दिया। निस्संदेह, रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष व इस्राइल तथा ईरान के बीच हुए संघर्ष ने विश्व विकास की स्वाभाविक गति को बाधित किया, जिसका नकारात्मक प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ा। वहीं वैश्विक टकराव के अलावा युवाओं के अपने राष्ट्रों की विषम स्थितियां व जलवायु परिवर्तन के कारकों के चलते रोजगार के सिमटते अवसरों ने भी नई पीढ़ी को हताश किया। इसके बावजूद युवा पीढ़ी उस सोशल मीडिया में लिप्त रही, जिसका जीवन की ठोस वास्तविकताओं से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसे में यथार्थ से जूझते वक्त युवाओं का हताश व निराश होना स्वाभाविक ही है। कालांतर में उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ। कुछ देशों ने सोशल मीडिया के नियमन की कोशिश की भी, लेकिन प्रयास सिरे न चढ़ सके। ऐसे में सरकारों को स्क्रीन समय के नियमन के साथ ही सोशल मीडिया का बेहतर उपयोग शिक्षा तथा रचनात्मक संवाद बढ़ाने के लिये करने की जरूरत है।

सोशल मीडिया पर अतिसक्रियता से युवा पीढ़ी तनाव व थकान से जूझ रही है। इस संकट को लेकर भारतीय समाजविज्ञानी, चिकित्सक व मीडिया भी लंबे समय से चेतावनी देता रहा है। लेकिन जब कोई मुहिम व अध्ययन पश्चिमी जगत से आता है तो हम उसे विशेष महत्व देने लगते हैं। अब जब यूरोपीय आयोग जेनरेशन जेड को लेकर अपने निष्कर्ष सामने ला रहा है तो भारत में नये सिरे से उसकी चर्चा होने लगी है। विडंबना यह है कि पिछली सदी के अंतिम वर्षों से लेकर इस सदी के पहले दशक में पैदा हुए बच्चों की यह पहली पीढ़ी है, जिसे कम उम्र में ही सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से रुबरु होने का मौका मिल गया था।

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा

विरोधी दलों ने भारतीय जनमानस के साथ खड़ा होने का अवसर खो दिया

मृत्युंजय दीक्षित

पहलगाम की आतंकी घटना के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से अपनी अदभुत वीरता व पराक्रम का परिचय देते हुए पाकिस्तान स्थित नौ आतंकवादी ठिकानों को मात्र बाईस मिनट में नष्ट कर दिया। राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडी गठबंधन पहले तो इस विषय पर सदन का विशेष सत्र बुलाए जाने की मांग कर रहा था किन्तु सत्र के आरम्भ के साथ ही उसने चर्चा से जुड़ी नयी नयी मांगों के साथ हंगामा करना आरम्भ कर दिया । अंततः संसद के दोनों सदनों में सहमति बन जाने के बाद संसदीय गतिरोध दूर हुआ और संसद में 16- 16 कुल मिलाकर 32 घंटे की चर्चा हुई । इस चर्चा को केवल भारत ही नहीं अपितु वैश्विक जगत ने भी सुना विशेषकर भारत विरोधी ताकतों चीन, पाकिस्तान और उसके आतंकी संगठनों की दृष्टि भी इस चर्चा पर लगी रही। सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और गृहमंत्री अमित शाह ने सरकार का पक्ष रखा और लोकसभा में प्रधानमंत्री जी के उत्तर के साथ चर्चा पूरी हुई जबकि राज्यसभा में चर्चा का उत्तर गृह मंत्री अमित शाह जी ने दिया। जब गृहमंत्री चर्चा का उत्तर देने के लिए खड़े हुए तो इंडी गठबंधन के प्रमुख दल कांग्रेस ने अपने नेता मल्लिकार्जुन खडगे के नेतृत्व में यह कहते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया कि वो तो प्रधानमंत्री से ही उत्तर चाहते हैं। इस पूरी चर्चा में इंडी गठबंधन के नेताओं ने जन सामान्य को निराश किया। कांग्रेस की पहली बार की महिला संसद परणीती शिंदे ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा बताया जबकि प्रियंका गांधी ने इस बात को व्हाईट वॉश करने के प्रयास किया कि पहलगाम की वारदात में आतंकियों ने लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा था। प्रियंका गांधी ने तो बार बार टोके जाने के बाद भी यह स्वीकार नहीं किया कि लोगों को हिंदू होने के कारण मारा गया। गौरव गोगोई और हुड्डा बहुत निम्न स्तर की बात कर रहे थे और राहुल की सुई ट्रम्प पर अटकी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद का सत्र शुरू होने पर कहा था कि संसद का यह सत्र अपनी विजय का उत्सव मनाने का सत्र है किंतु कांग्रेस व सहयोगी दलों ने इसके ठीक विपरीत जाकर कार्य किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनकी सरकार की आलोचना करते - करते यह सभी लोग चीन -पाकिस्तान की सरपरस्ती में लग गये। कांग्रेस ने अपने दो सांसदों शशि थरूर व मनीष तिवारी के बोलने का अवसर नहीं दिया क्योंकि यह दोनों सांसद सरकार की ओर से भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहे थे।कांग्रेस ने संसद में केवल राहुल गांधी के वफादार सांसदों को ही बोलने का अवसर दिया जो उनकी मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति व सरकार तथा प्रधानमंत्री मोदी की छवि को खराब करने के लिए कितना भी नीचे जा सकते हैं। जैसा अपेक्षित था राहुल गांधी, गोगोई और शिंदे के बयानों पर पाकिस्तान में तालियां बजाई जा रही हैं। भविष्य में पाकिस्तान अपने बचाव के लिए कांग्रेस के इन्हीं नेताओं के बयानों का सहारा लेगा। कांग्रेस की पिछली पीढ़ी के सक्रिय नेताओं ने भी आपत्तिजनक बयान दिए ऽ चिन्दम्बरण, चौहाण, दिग्विजय सब एक से बढ़कर एक रहे। इंडी गठबंधन के अन्य दलों ने भी लगभग कांग्रेस की दिशा ही ली। राज्यसभा में सपा की जया बच्चन ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम को पर सवाल उठा दिया। संपूर्ण विपक्ष अत्यंत संकीर्ण मानसिकता से ग्रसित होकर अपने एक विशेष वर्ग के तुष्टिकरण का ध्यान रखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा को दरकिनार करते हुए चर्चा कर रहा था। होना तो यह चाहिए था कि सभी दल एक स्वर में पहलगाम की घटना की निंदा करते हुए पाकिस्तान व आतंकी संगठनों की तीखी आलोचना करते कि जिससे पूरी दुनिया में एक स्पष्ट संदेश जाता कि भारत के सभी राजनैतिक दल आतंक के खिलाफ लड़ाई में पूरी तरह से एकजुट हैं किंतु ऐसा हो नही सका। इस बीच शरद पवार की पार्टी की सुप्रिया सुले ने अवश्य प्रतिनिधि मंडल में विरोधी दलों को शामिल किये जाने को प्रधानमंत्री का बड़प्पन बताया और राष्ट्र सर्वोपरि की बात कही। सरकार की ओर से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह , गृहमंत्री अमित शाह व विदश मंत्री एस जयशंकर सहित सत्तापक्ष के सांसदों ने पूरे तथ्यों और तर्कों के साथ अपना पक्ष रखा। गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह के कार्यकाल और अपनी सरकार के कार्यकाल की आंकड़ों के साथ तुलना करते हुए आक्रामक रूप से सरकार का पक्ष रखा। गृहमंत्री ने बताया कि 2004 से 2014 तक भारत में कुल 27 बड़े आतंकी हमले हुए और 1000 से अधिक लोगों की जान चली गई किंतु तब की यूपीए सरकार कोई भी कड़ा कदम नही उठाती थी केवल डोजियर भेजती थी। अमित शाह ने कहा कि विपक्ष बार- बार पूछ रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर को क्यों रोका गया? जबकि कांग्रेस को तो यह सवाल पूछने का नैतिक अधिकार ही नहीं है। 1948 में सरदार पटेल के विरोध के बाद भी जवाहर लाल नेहरू ने एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा कर दी थी। गृहमंत्री ने कहा कि पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू ओर इंदिरा गांधी के कार्यकाल की वजह से ही आज की स्थिति बनी है। गृहमंत्री ने अनुच्छेद- 370 के पूर्व के कश्मीर और वर्तमान कश्मीर के हालातों का भी आंकड़ों के साथ तुलनात्मक विवरण देते हुए कांग्रेस को बेनकाब किया। 2004 से 2014 तक जो बम धमाके हुए उनके आतंकवादी कहां से आ रहे थे और कहां छिप रहे थे ? राज्यसभा में गृह मंत्री की कही हुयी दो बातें सदन के रिकॉर्ड में सदा के लिए अंकित हो चुकी हैं जो प्रत्येक हिन्दू को गर्व से भर देने वाली हैं। गृह मंत्री ने कहा, मैं गर्व से कह सकता हूँ, हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकताङ्क और दूसरा, हर हर महादेव केवल धार्मिक नारा नहीं है ये हमारी स्वतंत्रता का उद्घोष है। सदन में बहस के दौरान कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा गया कि, यूपीए सरकार के दौरान भारत - पाकिस्तान के बीच आतंक, व्यापार, पर्यटन व खेल सब कुछ चलता रहा। यूपीए सरकार के दौरान बम धमाके की आवाज और शांति का उर्स साथ साथ चल रहा था। अब नरेंद्र मोदी की सरकार में खून और पानी एक साथ नहीं बह रहा। बहस के दौरान सत्तापक्ष की ओर से कहा गया कि जो लोग मुंबई व अन्य आतंकी हमलों पर चुप रहे ,आज हमें ज्ञान दे रहे हैं। बहस के दौरान विदेश मंत्री एस.जयशंकर व गृहमंत्री ने स्पष्ट किया कि 22 अप्रैल से लेकर 16 जून तक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ कोई वार्ता या संपर्क नहीं हुआ। संसद में हुई इस बहस में कुछ अपवादों को छोड़कर केवल भारतीय जनता पार्टी के सांसद ही भारत का पक्ष रख कर बहस कर रहे थे जबकि विरोधी दलों के नेता मुस्लिम तुष्टिकरण की भावना से ग्रस्त होकर बहस कर रहे थे। विपक्षी सांसद पाकिस्तान के झूठे प्रोपोगैंडे पर बरकरार रहते हुए सरकार से सवाल पूछ रहे थे। प्रधानमंत्री ने रखा भारत का पक्ष - प्रधानमंत्री मोदी ने जब अपने संबोधन का आरम्भ यह कहकर किया किया कि मैं भारत का पक्ष रखने के लिए खड़ा हुआ हूँ तभी देश को समझ में आ गया कि आज प्रधानमंत्री जी देश की जनता के मन को को जीतने के लिए बोल रहे हैं । प्रधानमंत्री का संबोधन ऑपरेशन सिंदूर के विजय उत्सव का प्रतीक बन गया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की विजय गाथा को स्पष्ट और विस्तार के साथ सदन को बताया। प्रधानमंत्री ने लोकसभा में कहा कि आज देश हैरान है कि कांग्रेस पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रही है।आज देश हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है किंतु कांग्रेस अपने मुद्दों के लिए पाकिस्तान पर निर्भर हो रही है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि जब देश मुंबई हमले में न्याय मांग रहा था यूपीए पाकिस्तान से व्यापार करने में जुटी रही। यूपीए सरकार पाकिस्तान को मोस्ट फ़ेवरेट नेशन का दर्जा देती रही जिसे हमने बंद किया।उन्होंने सिंधु जल संधि का उल्लेख करते हुए कहाकि यह समझौता भारत के हितों से बहुत बड़ा धोखा था। पानी हमारा, लेकिन 80 फीसदी जल पाकिस्तान को जा रहा था हमने इस गलती को सुधारा। प्रधानमंत्री ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद जो कार्यवाही भारत ने की है वह पाकिस्तान को हमेशा याद रहेगी उनके कई एयरबेस अभी भी ठप पड़े हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने पाकिस्तान की परमाणु धमकियों की पोल खोल कर रख दी है और अब हम भी ऐसी धमकियों के आगे झुकने वाले नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन के विभिन्न पहलुओं की सफलता सदन के माध्यम से देश के सामने रखी । प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि दुनिया के किसी नेता ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा और न ही यह रोका गया है।

सड़कों पर अराजकता फैलाते ई-रिक्शा

राकेश अचल

पर्यावरण हितैषी परिवहन के नाम पर प्रयोग में लाए जा रहे ये ई रिक्शे यातायात को बद से बदतर बना रहे हैं। इनका न ढंग से पंजीयन हुआ, न चालकों का प्रशिक्षण, न इनके लिए स्टापेज बने और न मार्गों का निर्धारण किया गया, फलस्वरुप इन ई रिक्शा वालों को जहां सवारी ने हाथ दिया, वहीं रिक्शा रोक दिया, चाहे पीछे से आ रहे वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो जाएं। महानगरों और छोटे शहरों से लेकर कस्बों तक भले ही दो पहिया वाहन चलाने की जगह न हो, लेकिन इन्हें अपनी जगह पर वाहन खड़े करने की आजादी है। ये न यातायात के नियम जानते हैं न इनके चालकों के पास कोई नागरिकता बोध है। भले ही चाहे इनके कारण वाहनों की कतार लग जाए। लगभग हर शहर में प्रशासन ने इन पर सख्ती कर ई रिक्शों के लिए रूट तय किए, रंग लगाकर पहचान देने की भी कोशिश की। ई रिक्शों को पालियों में भी चलवाने का प्रयास किया, लेकिन सब अकारथ गया। ई रिक्शा संचालकों के विरोध के बाद ये तमाम सख्ती हवा हो गई।

देश के अमूमन हर शहर में ई-रिक्शा ग्रीन परिवहन के नाम पर उतारे गये थे। ये ई रिक्शे उन लोगों को थमाए गये थे जो या तो तांगा, इक्का चलाते थे या हाथ रिक्शा। खटारा और धुआं उगलने वाले टेंपो का विकल्प भी समझे गये थे ये ई रिक्शे। बेआवाज ये ई रिक्शे शुरू में तो सभी को अच्छे लगे लेकिन अब यही ई रिक्शे देश के घरेलू परिवहन के लिए अराजक हो गये हैं।

पर्यावरण हितैषी परिवहन के नाम पर प्रयोग में लाए जा रहे ये ई रिक्शे यातायात को बद से बदतर बना रहे हैं। इनका न ढंग से पंजीयन हुआ, न चालकों का प्रशिक्षण, न इनके लिए स्टापेज बने और न मार्गों का निर्धारण किया गया, फलस्वरुप इन ई रिक्शा वालों को जहां सवारी ने हाथ दिया, वहीं रिक्शा रोक दिया, चाहे पीछे से आ रहे वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो जाएं। महानगरों और छोटे शहरों से लेकर कस्बों तक भले ही दो पहिया वाहन चलाने की जगह न हो, लेकिन इन्हें अपनी जगह पर वाहन खड़े करने की आजादी है। ये न यातायात के नियम जानते हैं न इनके चालकों के पास कोई नागरिकता बोध है। भले ही चाहे इनके कारण वाहनों की कतार लग जाए। लगभग हर शहर में प्रशासन ने इन पर सख्ती कर ई रिक्शों के लिए रूट तय किए, रंग लगाकर पहचान देने की भी कोशिश की। ई रिक्शों को पालियों में भी चलवाने का प्रयास किया, लेकिन सब अकारथ गया। ई रिक्शा संचालकों के विरोध के बाद ये तमाम सख्ती हवा हो गई। इतना ही नहीं प्रशासन, यातायात पुलिस व आरटीओ भी इनके आगे बेबस साबित हो रहे हैं । अब सुविधा और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए लाये गये ये ई रिक्शे सिरदर्द बन गये हैं और खामियाजा आम जनता भुगत रही है। भारत में ई-रिक्शा की संख्या लाखों में हो सकती है, जिसमें पंजीकृत और गैर पंजीकृत

दोनों शामिल हैं। 2022-23 तक के आंकड़ों के आधार पर, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि कम से कम 3 लाख पंजीकृत ई-रिक्शा हैं, और गैर-पंजीकृत ई-रिक्शा की संख्या कहीं अधिक हो सकती है। बीते दो वर्षों में तो इनकी संख्या अनुमान से भी कहीं अधिक बढ़ चुकी है। शहरों में पिछले कई वर्षों से वन-वे घोषित मार्गों पर ई-रिक्शा वाले बिना रोक टोक, बेधड़क दौड़ते हैं। यातायात पुलिस एवं पुलिस खड़ी रहती हैं। जहां पहले तांगों, टेम्पो के कारण आम लोगों को परेशानी होती थी, अब इसकी जगह ई-रिक्शा ने ले ली है। हर शहर में ई-रिक्शा के अघोषित अस्थायी स्टैंड बन गये है। इससे बार-बार ट्रैफिक जाम होता रहता है। पैदल निकलने तक की जगह नहीं रहती है। ई रिक्शा वाले परम स्वतंत्र हैं। जहां से इच्छा हुई, वहीं से सवारी बैठा ली। कोई रोकने वाला नहीं है। रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, घनी आबादी वाले क्षेत्र इनके अड्डे बनते जा रहे है। सवाल ये है कि इन ई रिक्शा चालकों की अराजकता का इलाज क्या है? मैंने दुनिया के अनेक गरीब, अमीर देश देखे हैं लेकिन वहाँ ई रिक्शा यदि हैं भी तो अराजक नहीं हैं। वे नियमों का पालन करते हैं, सभ्य हैं और उनमें भरपूर नागरिकता बोध भी है, लेकिन भारत में तो ई रिक्शा समस्या का दूसरा नाम बन गये हैं। मुझे तो ई रिक्शा की धींगामुश्ती देखकर अपने पारंपरिक तांगे वाले ज्यादा बेहतर लगते हैं। हकीकत ये है कि ई रिक्शों की बाढ़ से पर्यावरण सुधरने के बजाय तेजी से बिगड़ रहा है। पर्यावरण के लिए ई रिक्शों का ई कचरा भी आने वाले दिनों में एक गंभीर समस्या होने वाला है, इसलिए इनका हल खोजा जाना चाहिए।

टैरिफ आर्थिक युद्ध नहीं, आत्मनिर्भर शांति का रास्ता बने

ललित गर्ग

डोनाल्ड ट्रंप की नीति अक्सर 'दबाव डालो और झुकावो' पर आधारित रही है। चीन, यूरोप, मैक्सिको के साथ भी ट्रंप की व्यापार नीति टकरावपूर्ण रही है। लेकिन भारत, ऐतिहासिक रूप से संतुलन साधने वाली कूटनीति में विश्वास करता रहा है। भारत ने कई बार वार्ता के माध्यम से समझौते की दिशा में पहल की, लेकिन ट्रंप की आक्रामक नीति और 'डीलमेकिंग' की व्यक्तिगत शैली ने किसी संतुलन को बनने नहीं दिया। भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ न केवल आर्थिक रूप से अनुचित है, बल्कि यह उभरते राष्ट्रों के आत्मनिर्भर बनने के अधिकार का भी हनन है।

जब किसी वैश्विक ताक़त के शिखर पर बैठा नेता 'व्यापार' को भी 'सौदेबाज़ी' और 'दबाव नीति' का औज़ार बना ले, तब यह न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के आधारभूत सिद्धांतों को भी चुनौती देता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर ऐसा ही एक आर्थिक आघात पहुँचाया है। इस टैरिफ का लक्ष्य स्पष्ट है, भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा को बाधित करना और अमेरिकी वर्चस्व की पुनः स्थापना करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में अमेरिका की 'ट्रंपीय' दादागिरी, एवं टैरिफ का तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव कितना क्या असर दिखायेगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। लेकिन इस सन्दर्भ में भारत सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप और मोदी ने इस आंकड़े को दोगुना से भी ज्यादा 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उस लक्ष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में, भारतीय कंपनियों को बहुत संभलकर अपने लिए नए बाजार खोजने व बढ़ाने चाहिए। भारत की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे तेज़ गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को उत्पादन और नवाचार का नया केंद्र बनाया है। भारत का टेक्सटाइल, स्टील, ऑटो पार्ट्स और आईटी सेवा क्षेत्र वैश्विक बाज़ार में निरंतर अपनी पकड़ मज़बूत कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा से उपजे भय का संकेत है। लेकिन यह निर्णय केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। ट्रंप प्रशासन हमेशा से ही व्यापार संतुलन के मुद्दे को राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर देखता रहा है। 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति का मुख्य हथियार रहा है, दूसरों को पीछे धकेलकर अमेरिका को आगे लाना। यह एकतरफा सोच व्यापार के मूल्यों और साझेदारी की भावना को कमजोर करती है। व्यापार समझौते पर 1 अगस्त की समय सीमा तक दोनों देशों के बीच जारी बातचीत किसी नतीजे पर न पहुंचने का बड़ा कारण भारत का अमेरिका की शर्तों पर समझौता करने के लिए तैयार नहीं होना रहा है। उसे आगे भी तैयार नहीं होना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं कि भारत अमेरिका से ऐसा व्यापार समझौता कर ले, जो केवल उसके हित में हो। इस तरह के समझौते तो तभी हो पाते हैं, जब दोनों पक्षों के हित सधते हैं। भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए अडिग रहना चाहिए और यह स्पष्ट करने में संकोच भी नहीं करना चाहिए कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव के आगे झुकने वाला नहीं। भारत को ट्रंप के मनमाने फैसलों से डरने की आवश्यकता इसलिए भी नहीं, क्योंकि वे अपने फैसलों से पीछे हटने और उन्हें पलटने के लिए जाने जाते हैं। उनके इस रवैये के कारण उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फजीहत भी हो रही है। उन्हें यह समझ आ जाए तो अच्छा कि आज का भारत पहले वाला भारत नहीं है और अमेरिका का भी प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। डोनाल्ड ट्रंप की नीति अक्सर 'दबाव डालो और झुकावो' पर आधारित रही है। चीन, यूरोप, मैक्सिको के साथ भी ट्रंप की व्यापार नीति टकरावपूर्ण रही है। लेकिन भारत, ऐतिहासिक रूप से संतुलन साधने वाली कूटनीति में विश्वास करता रहा है। भारत ने कई बार वार्ता के माध्यम से समझौते की दिशा में पहल की, लेकिन ट्रंप की आक्रामक नीति और 'डीलमेकिंग' की व्यक्तिगत शैली ने किसी संतुलन को बनने नहीं दिया। भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ न केवल आर्थिक रूप से अनुचित है, बल्कि यह उभरते राष्ट्रों के आत्मनिर्भर बनने के अधिकार का भी हनन है। यह नव-उपनिवेशवाद का नया रूप है, जहँ आर्थिक हथियारों से शक्तिशाली राष्ट्र, विकासशील देशों को नियंत्रित करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने भारत पर टैरिफ बढ़ाने और जुर्माना लगाने की जो घोषणा की, वह उनकी दबाव की राजनीति का ही हिस्सा है। इस राजनीति की पोल खुल चुकी है। अच्छा होगा कि इसे देश के विपक्षी दल भी समझें। इसलिए और भी समझें कि संसद में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर कहा कि सैन्य कार्रवाई को स्थगित किए जाने के सिलसिले में विश्व के किसी भी नेता की कहीं कोई भूमिका नहीं। स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को कथित तौर पर रोकने का ट्रंप का दावा फर्जी है। वास्तव में इसी कारण वे अपने इस थोथे दावे को बार-बार दोहरा रहे हैं। आज का भारत न केवल एक विशाल बाज़ार है, बल्कि एक नवाचारशील शक्ति भी है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या, तेज़ी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, और विविधता से समृद्ध उत्पादन क्षमता भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर कर रही है। भारत अब ह्लनिर्भरताङ्क की नीति से निकलकर ह्लआत्मनिर्भरताङ्क की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप के टैरिफ का प्रभाव सीमित और अस्थायी होगा, लेकिन भारत की आर्थिक विकास यात्रा दीर्घकालिक और दृढ़ है। भारत के लिए यह चुनौती अवसर में बदलने का समय है, नए बाज़ारों की तलाश, घरेलू उत्पादन को और सशक्त बनाना, और वैश्विक साझेदारियों को नए रूप में ढालना। ट्रंप की दादागिरी भारत को झुका नहीं सकती। बल्कि यह भारत को और मज़बूत और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे सकती है। यह समय है जब भारत को अपने उत्पादन, नवाचार, निर्यात और कूटनीति को और धार देने की आवश्यकता है। हमें यह समझना होगा कि शक्ति का उत्तर शक्ति से नहीं, दूरदृष्टि और नीति से दिया जाना चाहिए। ट्रंप का टैरिफ एक चुनौती है, लेकिन भारत की आत्मा में संघर्ष से जीतने का इतिहास है। हमने हर संकट को अवसर में बदला है, और इस बार भी हम यही करेंगे, न केवल अपनी अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन के लिए भी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आर्थिक चिंतन मूलतः 'आत्मनिर्भर भारत', 'विकास के साथ विश्वास', और 'समान साझेदारी' के सिद्धांतों पर आधारित रहा है। वे वैश्विक मंच पर भारत को एक समानाधिकार संपन्न राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं, न कि किसी बड़े राष्ट्र की कृपा पर चलने वाली व्यवस्था के रूप में। जब डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ का प्रहार करते हैं, तो नरेंद्र मोदी की सोच विरोध नहीं, विकल्प पर आधारित होती है। वे इस तरह के दबावों को एक नई दिशा में सोचने और घरेलू उत्पादन एवं वैश्विक विविधीकरण का अवसर मानते हैं। टैरिफ वार के उत्तर में मोदी की प्रतिक्रिया सकारात्मक ही होती हुई दिख रही है, वे ट्रंप के टैरिफ से प्रभावित क्षेत्रों जैसे स्टील, ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल को सरकारी सब्सिडी, टैक्स रियायत और तकनीकी समर्थन के ज़रिए बल दे सकते हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे नए बाज़ारों में भारत अपनी पकड़ को और मज़बूत करते हुए इस टैरिफ से उत्पन्न संकट को संतुलित कर सकता है। ट्रंप भारत को अपना मित्र मानते हैं। लेकिन यह कैसी मित्रता है, जिसमें ट्रंप को भारत के गरीबों, किसानों, मजदूरों की कोई चिंता नहीं है। लेकिन मोदी की विदेश नीति में भी 'अमेरिका के साथ मित्रता' है, लेकिन 'आत्मगौरव की कीमत पर नहीं'। वे संवाद और दृढ़ता-दोनों का प्रयोग करते हैं। दबाव की राजनीति से न तो भारत झुकेगा, न रुकेगा। ट्रंप का टैरिफ हो या कोई और वैश्विक चुनौती, मोदी का भारत हर संकट में अवसर खोजता है। मोदी की आर्थिक दृष्टि एवं नीतियां किसी बाहरी राष्ट्र के मनोनुकूल नहीं, बल्कि भारत की आवश्यकताओं, संभावनाओं और स्वाभिमान के अनुरूप गढ़ी गई है। जब वैश्विक महाशक्तियां टैरिफ के हथियार से डराने लगें, तो समझो कि भारत की प्रतिस्पर्धा ने उन्हें असहज कर दिया है। मोदी इसे चुनौती नहीं, पहचान मानते हैं। मोदी कहते हैं-'लोकल को ग्लोबल बनाओ', और यही उनका उत्तर है हर टैरिफ, हर दबाव, हर चुनौती को। मोदी की अर्थनीति उद्यमशीलता को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ती है। उनका आर्थिक चिंतन 'केवल विकास' नहीं, बल्कि स्वराज्य आधारित समावेशी आर्थिक स्वतंत्रता है। ट्रंप के टैरिफ की चुनौती को वे उसी तरह लेते हैं जैसे उन्होंने कोविड या ग्लोबल मंदी की ली थी-साहस, दूरदर्शिता और आत्मनिर्भरता के साथ।

जांच में खुलासा : बिना खतौनी के खाद बेच रहे थे विक्रेता

अनुदानित यूरिया का हो रहा था डायवर्जन

- गोदरेज एग्रोवेट व फ्लेविकोन में अनियमितता, दो खाद भंडारों की भी जांच

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद में उर्वरकों की अनियमित बिक्री और औद्योगिक इकाइयों में अनुदानित यूरिया के दुरुपयोग की शिकायतों के मद्देनज़र मंगलवार को संयुक्त कृषि निदेशक (बाढ़ोमुखी) अनिल कुमार यादव और जिला कृषि अधिकारी शशांक ने सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान गोदरेज एग्रोवेट और फ्लेविकोन प्राइवेट लिमिटेड औद्योगिक इकाइयों में अनुदानित यूरिया का डायवर्जन पाया गया। वहीं, अमरनाथ लोधी खाद भंडार (हिलौली) और संत कुमार एंड संस (बिछिया) जैसे उर्वरक विक्रेताओं की भी जांच की गई, जहां खाद की बिक्री बिना कृषकों की खतौनी और भूमि के अनुसार संस्तुत मात्रा के नियमों की जांच की गई। जिला कृषि अधिकारी शशांक ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना खतौनी के खाद की बिक्री कदापि न करें। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी भी विक्रेता द्वारा खाद की ओवररेटिंग, टैगिंग या डायवर्जन किया गया तो उसके विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि विक्रेताओं को प्रत्येक बिक्री के समय कृषक का आधार कार्ड एवं खतौनी रखना अनिवार्य है। किसी भी अनियमितता की स्थिति में जिम्मेदार विक्रेता को बख्शा नहीं जाएगा।

किसानों से अपील

कृषि विभाग ने किसान भाइयों से अपील की है कि वे खाद खरीदते समय अपना आधार कार्ड और खतौनी अवश्य लेकर जाएं तथा उर्वरक का भंडारण न करें। नियमों का पालन करना न केवल किसानों के हित में है, बल्कि कृषि व्यवस्था की पारदर्शिता के लिए भी जरूरी है।

महिला टप्पेबाज गैंग का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार

उन्नाव। पुलिस को टप्पेबाजी की घटनाओं पर बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने महिला टप्पेबाजों के एक सक्रिय गैंग का भंडाफोड़ करते हुए छह महिलाओं को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी थाना अजगैन क्षेत्र स्थित रिंग रोड पुलिया के पास से की गई। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार सभी महिलाएं मध्यप्रदेश के रायगढ़ जिले की निवासी हैं और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में पिछले कई वर्षों से टप्पेबाजी की वारदातों को अंजाम देती आ रही थीं।एसपी दीपक भूकर ने बताया कि 24 जुलाई को नवाबगंज कस्बे में बैंक ऑफ इंडिया शाखा से पैसे निकालकर लौट रही एक वृद्धा रानी देवी से 20,000 रुपये की चोरी हुई थी। घटना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर की सूचना पर अभियान चलाकर छह महिला अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बांगरमऊ और बीघापुर क्षेत्र में भी टप्पेबाजी की वारदातों को कबूल किया है। इनके पास से 30,000 रुपये की नकदी भी बरामद हुई है।

परचून की दुकान में बिक रही थी अवैध शराब

दबिश में 12 पौवा देशी शराब बरामद

- जिला आबकारी विभाग की कार्रवाई, नवाबगंज निवासी अभियुक्त गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा एवं आबकारी आयुक्त के आदेश के अनुपालन में जनपद में अवैध मदिरा के बिक्री और परिवहन की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की गई।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक ने अपने स्टाफ एवं थाना अजगैन पुलिस के साथ मिलकर कुसुंभी शीतलगंज में स्थित एक परचून की दुकान पर दबिश दी। दबिश के दौरान दुकान से एक व्यक्ति जितेंद्र कुमार पुत्र कमल कुमार निवासी नवाबगंज उन्नाव को अवैध रूप से देशी शराब बेचते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

दुकान से दीवाना ब्रांड की 12 अदद पौवा देशी शराब (कुल 2.4 बल्क लीटर) बरामद की गई। मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में थाना अजगैन में अभियोग पंजीकृत कराया गया। कार्रवाई के उपरांत थाना अजगैन क्षेत्र की आबकारी दुकानों का निरीक्षण भी किया गया। जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने बताया कि अवैध मदिरा के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। जनपद में किसी भी दशा में अवैध शराब के कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा।

टप्पेबाजी करने वाले दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

- महिलाओं से जेवरात और नकदी लूटने वाले थे फरार, असलहे और लूट का सामान बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव में पुलिस ने मंगलवार सुबह मुठभेड़ के दौरान दो शातिर टप्पेबाजों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगने से वे घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस को इनके कब्जे से अवैध असलहे, लूटा गया सामान और बिना नंबर की बाइक बरामद हुई है।

घटना सुबह लगभग 8:25 बजे दोस्तीनगर-सिंघूपुर मार्ग पर उस समय हुई जब एसओजी, सर्विलांस टीम और कोतवाली सदर पुलिस की संयुक्त टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवकों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और जंगल की ओर भागने लगे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग करते हुए दोनों को घायल कर दबोच लिया।

मौके से दो अवैध तमंचे 315 बोर, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, एक बिना नंबर की बाइक तथा महिलाओं से छीने गए जेवरात बरामद किए गए हैं। बरामद जेवरात में दो चूड़ी, एक अंगूठी, एक मांगटीका, '?' लॉकेट, दो जोड़ी बिछिया, एक जोड़ी पायल और नकद ?2500 शामिल हैं।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लईक पुत्र तौफीक उम्र लगभग 22 वर्ष और महबूब पुत्र छोटे राना उम्र लगभग 24 वर्ष, निवासीगण गुल्लरभोज गंदानाला, थाना गदरपुर, जनपद ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड) के रूप में हुई है।

नाबालिग पुत्री बहला फुसलाकर ले गया युवक

बांदा। मर्का थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने उसकी पुत्री को स्कूल से भगाकर ले जाने वाले बिहारी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए पुत्री को बरामद करने की मांग की है। एसपी को दिये शिकातयती पत्र में मर्का थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासिनी महिला ने बताया है कि 22 जुलाई को उसकी पुत्री घर से स्कूल पढ़ने के लिए निकली थी। जब स्कूल की छुट्टी होने के बाद पुत्री के घर न पहुंचने पर स्कूल जाकर पता किया तो पता चला कि उसकी पुत्री आज स्कूल ही नहीं गई है। बहुत खोजबीन के बाद जब पुत्री नहीं मिली तो संबंधित थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने बाद पता चला कि बिहार के जहानाबाद का रहने वाला युवक उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। इस बात की जानकारी जब थाने के दरोगा को दी तो उन्होंने उसे टरका दिया। पीड़िता ने एसपी से न्याय की गुहार लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कर उसकी नाबालिग पुत्री को बरामद करने की मांग की है।

सरोसी क्षेत्र के 257 मेधावी छात्रों का सम्मान, सदर विधायक ने बढ़ाया उत्साह

- हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को माला और प्रतीक चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। विकास खण्ड सरोसी क्षेत्र के 257 मेधावी छात्रों को मंगलवार को एक गरिमामय समारोह में सम्मानित किया गया। सरोसी ब्लॉक सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता ने छात्रों को माला पहनाकर और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि शिक्षा ही जीवन की सभी चुनौतियों का समाधान है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाएं किसी परिस्थिति की मोहताज नहीं होतीं और उन्हें सर्वश्रेष्ठ बच्चों को सम्मानित करने का अवसर पाकर गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने छात्रों से कहा कि कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता और दृढ़ इच्छाशक्ति से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। विधायक ने कहा कि मेहनत और लगन का न तो कोई शॉर्टकट होता है और न ही कोई दूसरा रास्ता। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार आगे बढ़ने के अवसर दें। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने छात्रों और उनके अभिभावकों से संवाद भी स्थापित किया और सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह मेधावी छात्र न केवल उन्नाव का, बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। विधायक ने सभी छात्रों से व्यक्तिगत परिचय प्राप्त कर उनकी पीठ थपथपाई और उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन सुरेश शुक्ला ने किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुशील रावत, मंडल अध्यक्ष सर्वेश, ग्राम प्रधान आशुतोष बाजपेई, छोटे परिहार, गंगाप्रसाद, अमित त्रिपाठी, मुकेश तिवारी समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

हज यात्रा 2026 आवेदन की अंतिम तारीख 7 अगस्त तक बढ़ाई गयी

बांदा। हज यात्रा-2026 के लिए हज आवेदन भरने की अंतिम तिथि 7 अगस्त 2025 तक बढ़ाई गयी है। मुख्य हज ट्रेनर बाँदा/ चित्रकूट हाजी आरिफ़ खांन ने बताया कि ज्यादातर हज यात्रियों के पासपोर्ट रिन्यू के लिए दिए हुए हैं। सेंट्रल हज कमेटी द्वारा पासपोर्ट की वेलिडिटी तारीख 31 दिसंबर 2026 रखी गई है, लेकिन हज यात्रियों के पासपोर्ट सेंट्रल हज कमेटी द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार दिसंबर से पहले खत्म हो रहे हैं और कुछ लोगों के पासपोर्ट बनाकर आने हैं, इसको लेकर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से अपील की गयी, जिसके बाद हज आवेदन की अंतिम तिथि भारत सरकार द्वारा 07 अगस्त 2025 कर दी गयी है।

अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का हुआ स्वागत

बांदा। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद जनपद बांदा की ओर से आज जीआईसी मैदान के सामने हाल में परिषद के नवनियुक्त युवा प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र शरण सिंपल का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर बैज अलंकरण व माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया गया, साथ ही ष्वैश्य-रत्नष सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव विनोद कुमार गुप्ता ने वैश्य एकता पर जोर दिया और वैश्य समाज के उत्पीड़न को रोकने की मांग शासन से की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद परिषद के फतेहपुर जिला अध्यक्ष अरुण जायसवाल ने कहा कि यदि वैश्य समाज एकजुट हो जाए तो सभी समस्याओं का निदान हो जाएगा। इस मौके पर अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के बांदा जिला अध्यक्ष सत्येंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता, महामंत्री डा. मनीष कुमार, कोषाध्यक्ष अनुराग गोयल मनु, उपाध्यक्ष विजय ओमर के अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष मोहन साहू, संजय गुप्ता, विनोद जैन के अलावा सौरभ लक्षकार, नीरज लखपति, महिला परिषद की नगर अध्यक्ष निशा लक्षकार सहित भारी। संख्या में वैश्य समाज के लोग मौजूद रहे।

केन व चंद्रावल नदी के बढ़ते जलस्तर में जसपुरा में युवक डूबा, रेस्क्यू जारी

जसपुरा/बांदा। ब्रह्स्पतिवार को जसपुरा थाना क्षेत्र के कस्बा इलाके में दोपहर लगभग 12 बजे केन और चंद्रावल नदी का जलस्तर अचानक तेज़ी से बढ़ गया। इस दौरान गांव का ही निवासी राधे(30) पुत्र दुर्जन बाल्मीकि नदी में डूब गया। घटना के समय वह नदी के किनारे मौजूद था। राधे की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है। वह अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया हैकृबेटी निधि (4 वर्ष), बेटे निखिल (8 वर्ष) और निहाल (1 वर्ष)। उसकी पत्नी राजकुमारी का निधन करीब एक वर्ष पूर्व हो चुका है, जिससे बच्चों की परवरिश की ज़िम्मेदारी राधे पर ही थी। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया। एसडीएम पैलानी अंकित वर्मा, नायब तहसीलदार मुस्तकीम, नायब तहसीलदार वेदप्रकाश, राजस्व निरीक्षक रामकिशोर कुशवाहा, लेखपाल शिवनरेश , लेखपाल राकेश कुमार अग्निहोत्री,समेत राजस्व विभाग की पूरी टीम मौके पर पहुंच गई।

कृषि मंत्री ने बीज विकास निगम विधान संयंत्र का किया औचक निरीक्षण

अतर्रा/बांदा। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि फार्म व उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम विधान संयंत्र का किया औचक निरीक्षण करते हुए सारी खामियां जानी। उत्पादन बढ़ाने शाहिद व्यवस्थाओं को चुस्त दुरुस्त करने के दिए निर्देश।वृक्षारोपण की भी जानी हकीकत । सफाई व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने पर दिया जोर। गुरुवार को उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही अचानक कृषि फार्म के वाचन निरीक्षण पर आ धमके जिस पर आल्हा अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए कृषि मंत्री श्री शाही ने कृषि फार्म के अधीक्षक तुलाराम यादव से कृषि फार्म के उत्पादन सहित फसल लगाने की योजना को जांच पर का कृषि फार्म में पुरानी मशीनरी सहित डेरी के लिए बनाए गए भवन निर्माण शाहिद व्यवस्थाओं को जायजा लिया ।

उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर समयबद्ध निस्तारण करना सुनिश्चित करें: जिलाधिकारी

- डीएम की उपस्थित में सम्पन्न हुई उद्योग बन्धु की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे.रीभा की उपस्थिति में मण्डल स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक आयुक्त कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर समयबद्ध निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिससे उद्यमियों की समस्याओं का समय से निस्तारण हो सके। बैठक में जिलाधिकारी ने औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ में पेयजल की समस्या का संशोधित आगडन 0258-63 लाख का शीघ्र स्वीकृत करने हेतु क्षेत्रीय प्रबंधक, यूपीसीडा को निर्देशित किया। उद्यमियों द्वारा औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ़ में स्वतंत्र फील्ड विद्युत फिडर की मांग तथा विद्युत ट्रिपिंग की समस्या से निस्तारण करने के संबंध में उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को विद्युत ट्रिपिंग की समस्या का निदान करने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्र कताई मील में भूखंडों के आवंटन के संबंध में प्राप्त आवेदनों को मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीसीडा कानपुर से शीघ्र निर्णय कराने के संबंध में क्षेत्रीय प्रबंधक उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण को निर्देशित किया स, औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ़ की साफ सफाई एवं सड़क की मरम्मत के साथ अतिरिक्त द्वार पर बोर्ड लगाए जाने के संबंध में निर्देशित किया। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग कबरई से महोबा एवं राष्ट्रीय राजमार्ग कबरई से बांदा की रोड पर सड़कों के गड्ढे मरम्मत कराए जाने तथा स्ट्रीट लाइट ठीक कराए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने बुंदेलखंड एजेंसीज के भूखंड के बैंक गारंटी को मुक्त करने के संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कराए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

तुलसी जयंती धूमधाम से मनाई गई

बांदा। संत तुलसीदास की पावन जयंती के अवसर पर शहर स्थित संत तुलसी पब्लिक स्कूल में तुलसी जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रबंधक संत कुमार गुप्ता, सह प्रबंधक डा. मनीष कुमार गुप्ता, एडवाइजरी बोर्ड मेम्बर संतोष कुमार मसुराहा, डा. जगदीश नारायण चंसौरिया, डायरेक्टर जगनायक यादव, श्रीमती दीपिका गुप्ता, अमित गुप्ता, श्रीमती सौदामिनी गुप्ता, उप प्रधानाचार्य रिंकू सिंह व कु. वैष्णवी गुप्ता द्वारा संत तुलसीदास व माँ सरस्वती की मूर्तियों पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि के साथ हुआ। सरस्वती वेदना के साथ छात्र /छात्राओ द्वारा मनोहारी कार्यक्रम व लघु नाटिका किये गये। तुलसीदास जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर कार्यक्रम में उपस्थित श्री संत कुमार मसुराहा, डॉ चंसौरिया आदि ने सारगर्मित विचार व्यक्त किये। शिक्षक सुशिल कुनार सिंह, श्रीमती रेखा सिंह और रमेश सिंह ने गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के दौरान दैनिक जागरण द्वारा आयोजित ऑनलाइन मानस क्विज में भाग लेने वाले शिक्षक / शिक्षिकाओ को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में डायरेक्टर जगनायक यादव व सुशील सिंह 88 प्रतिशत और नीरज पाण्डेय 82 प्रतिशत के प्रयास सराहनीय रहा।

लगातार बढ़ रहा यमुना और केन का जलस्तर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जनपद में केन और यमुना नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय प्रशासन हाई अलर्ट पर है। आज शाम 4 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, दोनों नदियां चेतावनी और खतरे के निशान के करीब पहुंच रही हैं। भूरागढ़ गेज साइट पर केन नदी का जलस्तर आज शाम 4 बजे 101.70 मीटर दर्ज किया गया, जिसमें लगातार वृद्धि देखी जा रही है। नदी में 1,80,115 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज हो रहा है। केन नदी के लिए चेतावनी स्तर 103.00 मीटर और खतरा स्तर 104.00 मीटर है। नदी का अब तक का उच्चतम बाढ़ स्तर (भ्थ्स्) 113.29 मीटर रहा है। जलस्तर में हो रही इस बढ़ोतरी को देखते हुए नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। चिल्लाघाट, बांदा में यमुना नदी का जलस्तर भी बढ़ रहा है। आज शाम 4 बजे इसका जलस्तर 99.95 मीटर दर्ज किया गया, जो इसके खतरे के निशान 100 मीटर से मात्र 0.05 मीटर कम है। यमुना नदी के लिए चेतावनी स्तर 99.00 मीटर है। नदी का उच्चतम बाढ़ स्तर 105.16 मीटर रहा है। जलस्तर में वृद्धि का रुझान जारी है, जिससे प्रशासन की चिंताएं बढ़ गई हैं। जिला प्रशासन ने नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट कर दिया है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने की अपील की जा रही है।

राशन वितरण में भ्रष्टाचार पर आज़ाद अधिकार सेना का प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ आज़ाद अधिकार सेना ने चित्रकूट धाम मंडल मुख्यालय बांदा में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने भारत की राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा जिसमें राशन वितरण की अव्यवस्था पर कड़ा ऐतराज़ जताया गया।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि देशभर में गरीबों को मिलने वाला मुफ्त या सस्ता अनाज भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। सरकार की नीतियां समस्या का हल नहीं, बल्कि उसे और जटिल बना रही हैं। ज्ञापन में साफ तौर पर कहा गया कि हर लाभार्थी को जहां 5 किलो अनाज मिलना चाहिए, वहां 4 से 4.5 किलो ही दिया जा रहा है। तौल में कमी, राशन की कालाबाजारी और अपात्र लोगों को वितरण जैसी गड़बड़ियां आम हो गई हैं। स्टाक की कमी का बहाना बनाकर लाभार्थियों को दुकान से वापस कर दिया जाता है। प्रदर्शनकारियों ने राशन वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए कुछ ठोस उपायों की मांग की'', जिनमें प्रमुख हैंकृआधुनिक तकनीकी व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई सिस्टम का इस्तेमाल, डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम लागू करना, स्वतंत्र शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना, गड़बड़ी करने वाले दुकानदारों पर कठोर कार्रवाई प्रदर्शन में शामिल लोगों ने बताया कि राशन कार्ड है, लेकिन राशन नहीं। दुकानदार कभी कहता है स्टॉक नहीं है, तो कभी मशीन खराब है।जबकि कार्डधारक लाइन में लगे रह जाते हैं। सौंपे गए ज्ञापन में संगठन से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से धीरज शर्मा मंडलअध्यक्ष चित्रकूट धाम मंडल, जिला अध्यक्ष ब्रज बिहारी वाजपेयी,अशोक शुक्ला सेवानिवृत्त शिक्षक, साथ में राजकुमार पाठक वरिष्ठ पत्रकार आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

- सीडीओ ने कुटीर उद्योग बढ़ाये जाने पर दिया जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे0 रीभा के निर्देशानुसार राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अन्तर्गत पंचायत एडवान्समेन्ट इनडेक्स 1 एवं 2 संस्करण विषय पर जिला स्तरीय अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कलेक्टेझ्रट सभागार में किया गया। कार्यशाला में पंचायत को बेहतर बनाने के लिए 9 विभिन्न विषयों पर एलएसबीजी के अन्तर्गत कार्यशाला में सम्बन्धित अधिकारियों को विस्तृत जानकारी दी गयी। जिसके अन्तर्गत पंचायतों में गरीबी मुक्त एवं उन्नत आजीविका पंचायत के अन्तर्गत पंचायतों को रोजगारपरक बनाये जाने तथा आजीविका के साधनों में वृद्धि करना है। स्वस्थ्य पंचायत के अन्तर्गत सम्बन्धित ग्राम पंचायत में स्वच्छता सम्बन्धी सुविधाओं को बढाये जाने तथा संचारी रोगों में नियंत्रण, बच्चों का टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की जांच आदि कार्यों को बेहतर रूप से कराये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। कार्यशाला में मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने ग्राम पंचायतों में मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर रूप से उपलब्ध कराये जाने के अन्तर्गत कुटीर उद्योगों को बढाये जाने, पशुपालन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर करने के साथ पर्याप्त जल युक्त पंचायत के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में पर्याप्त जल संरक्षण एवं अमृत सरोवरों का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि सभी सम्बन्धित विभागों के डाटा लेकर पीएआई पोर्टल पर फीड करें, जिससे ग्राम पंचायतों के सम्बन्ध में विकास सम्बन्धी डाटा उपलब्ध रहे। इसके अन्तर्गत 17 लक्ष्यों एवं उद्देशों को प्राप्त करना है।

कार्यशाला में मास्टर टेझ्रनर कन्हैयालाल एवं इशांत कुमार द्वारा पंचायतों में एडवान्समेन्ट इनडेक्स 1 एवं 2 संस्करण विषय के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्यों के समबन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पंचायतों को बाल हितैशी बनाये जाने के अन्तर्गत बालकों की शिक्षा, बालश्रम मुक्त करना आदि कार्यों को किये जाने के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। पर्याप्त जल युक्त पंचायत के सम्बन्ध में पंचायतों में शुद्ध पेयजल के साथ जल संरक्षण की समुचित व्यवस्था रखने तथा स्वच्छ एवं हरित पंचायत के अन्तर्गत पंचायतों में स्वच्छता एवं हरियाली का ध्यान रखने पर जोर दिया।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Pnu-LKO-LKO-Toi-110-25-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	25.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	11.08.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	11.08.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Pnu-LKO-LKO-Toi-108-25-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	28.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	13.08.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	13.08.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2333/25

करोड़ों की लागत से बनी पानी टंकी जर्जर

बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे 4 हजार लोग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। लखीमपुर खीरी के बेहजम ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत कैमां बुजुर्ग में जल शक्ति मिशन के तहत लगभग 8 वर्ष पूर्व करोड़ों रुपए की लागत से बनी पानी टंकी जर्जर हो गई है और पिछले 3 महीनों से बंद पड़ी है। इस टंकी से करीब 5 गांवों में जल आपूर्ति होती थी, लेकिन अब 4 हजार से अधिक की आबादी पानी की बूंद-बूंद के लिए तरस रही है। ग्रामीणों ने बताया कि टंकी का निर्माण होने से पहले उन्हें पानी की समस्या से जूझना पड़ता था, लेकिन टंकी के शुरू होने से उनकी समस्या कुछ हद तक कम हो गई थी। लेकिन अब टंकी के बंद होने से उनकी समस्या फिर से बढ़ गई है। ग्रामीण जैसे-तैसे हैंडपंप का उपयोग कर जलापूर्ति करने के लिए विवश हैं। ग्रामीणों ने कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को पत्र भेजकर समस्या के समाधान की मांग की है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि वे दूषित पानी पीने को मजबूर हैं और उनकी सेहत पर इसका बुरा प्रभाव पड़ रहा है। ग्राम प्रधान महेश कुमार ने बताया कि टंकी में खराबी की जानकारी विभाग को दी जा चुकी है और जल्द ही समस्या का निदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धन भी आवंटित हो चुका है और विभाग युद्ध स्तर पर कार्य करवा समस्या का निदान करेगा। लेकिन ग्रामीणों को अब तक कोई राहत नहीं मिली है और वे पानी की समस्या से जूझ रहे हैं।

इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जाना चाहिए ताकि ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल मिल सके। इसके लिए विभाग और जनप्रतिनिधियों को गंभीरता से ध्यान देना होगा और समस्या का स्थायी समाधान निकालना होगा।

चौक के चार द्वारों का हो रहा सौंदर्यीकरण

अयोध्या। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या, अब भव्य और दिव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के पश्चात देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों का प्रमुख केंद्र बन चुकी है। मंदिर निर्माण के साथ ही अयोध्या को विश्वस्तरीय स्वरूप देने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है। नगरी के सौंदर्यीकरण और बुनियादी सुविधाओं के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। मंदिर के उद्घाटन के बाद लाखों लोग हर साल यहां आ रहे हैं, जिससे अयोध्या की सांस्कृतिक और पौराणिक धरोहर को सहेजने की जरूरत और बढ़ गई है। इसी दिशा में योगी सरकार ने अयोध्या की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और सौंदर्यकरण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। शहर के प्रमुख चौक के चार ऐतिहासिक प्रवेश द्वारों का संरक्षण और सौंदर्यकरण इसका प्रमुख उदाहरण है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने इन चारों द्वारों के सौंदर्यकरण के लिए करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से कार्य शुरू किया है। इन द्वारों का ऐतिहासिक महत्व अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है।

सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकलां खीरी। नगर पालिका अध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता की अध्यक्षता में पालिका सभागार में सभासदों व लोगों की बैठक हुई जिसमें कुछ लोगों द्वारा समूह बनाकर पालिका के कार्यों में व्यवधान पैदा करने की निंदा की गई और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। पालिकाध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता ने बताया कि पालिका द्वारा कराए जाने वाले काम की कुछ लोग इंटरनेट मीडिया पर गलत तरीके से फोटो व वीडियो डाल देते हैं या फिर उसकी शिकायत करते हैं जिससे काम अनावश्यक विलंब होता है। इस बात को लेकर नगर पालिका चेयरमैन ने गुरुवार को सभासदों व नगर के लोगों के साथ बैठक की। बैठक में पालिकाध्यक्ष ने बताया कि कोई भी काम शुरू होने से पहले ही उसको मानक विहीन बताकर भ्रम फैलाया जा रहा है। इससे काम करने वाले लोगों पर बेवजह दबाव बनाए जाने का प्रयास किया जाता है। पालिकाध्यक्ष ने इस संबंध में ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर जोर दिया और कहा कि यदि किसी को कोई शिकायत हो तो उसकी सूचना चेयरमैन व ईओ को दें जिससे उसकी जांच कराकर कमी को दूर किया जा सके न कि इंटरनेट पर आधी अधूरी जानकारी को लेकर पालिका की छवि खराब की जाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी को ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई करने को कहा साथ ही छवि धूमिल करने के मामले में भी कदम उठाने को कहा।

प्लाट के सामने रखे ट्रांसफार्मर को हटाने की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकलां खीरी। व्यापारी के प्लाट के सामने लगाए गए विद्युत पोल और रखें गए ट्रांसफार्मर को व्यापारी ने हटाए जाने की मांग की है। व्यापारी का कहना है कि एक निजी लैंड स्वामी ने अपने निजी उपयोग के लिए हाईवे किनारे ट्रांसफार्मर लगवाया उसकी जमीन के सामने लगवा दिया। आरोप लगाया कि ट्रांसफार्मर अपनी भूमि के सामने न लगवाकर हाईवे पार उसके प्लाट के सामने लगाया गया है, जिससे उसको लगातार परेशानी हो रही है। इस संबंध में भू-स्वामी ने मुख्यमंत्री सहित विद्युत विभाग के अधिकारियों से भी शिकायत की गई लेकिन उसकी समस्या का हल नहीं निकल सका। पीड़ित के अनुसार पीडब्ल्यूडी अधिकारी से बात करने पर उन्होंने बताया कि विगत कुछ वर्ष पहले महेवागंज से लेकर पलिया बंसीनगर तक दस मीटर सड़क चौड़ीकरण हुआ था, जिसमें विद्युत पोल हटाने के लिए विद्युत विभाग को भुगतान किए जाने की जानकारी दी गई। पीड़ित का आरोप है कि इसके बावजूद आज तक इस पुराने पोल और ट्रांसफार्मर को नहीं हटाया गया। पीड़ित ने बताया कि जब उसने विद्युत विभाग से अधिशासी अभियंता निशांत ज्योति से बात की तो उन्होंने बताया कि यह मामला मेरे समय का नहीं है, पहले का मामला है। दिखवाना पड़ेगा। पेमेंट तो लिया गया है, लेकिन विद्युत पोल एस्टीमेट में लिया गया या नहीं, यह देखना पड़ेगा। अगर एस्टीमेट में लिया गया है तो हटाया जाएगा।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 350 से अधिक मरीजों ने उठाया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

अजान खीरी। स्वर्गीय ब्रह्मादीन वर्मा की स्मृति में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रभात किरण सामाजिक संस्थान द्वारा आरोग्य हॉस्पिटल, भारत डायग्नोस्टिक सेंटर एवं स्टार पैथोलॉजी लैब गोला के सहयोग से परेली सिथति पटेल शान्ति निकुंज इंटर कालेज में किया गया। जिसका शुभारंभ भाजपा नेता ईश्वरदीन वर्मा ने पुष्प अर्पित कर किया। शिविर में डॉ एस वर्मा, डॉ सचिन वर्मा, डॉक्टर अरविंद वर्मा, डॉक्टर राहुल सिंह, डॉक्टर एस डी वर्मा की मौजूदगी में 350 से अधिक मरीजों ने पंजीकरण करा कर दवाएं प्राप्त कीं और जांच कराकर स्वास्थ्य लाभ पाया। शिविर में हीमोग्लोबिन, शुगर, वीपी आदि की पैथोलॉजिकल जांचें की गईं। शिविर में विभिन्न प्रकार के मरीजों को परामर्श दिया गया, जिसमें झारा, परेली, टीकापुर, भिम्मापुर, बगचन, बुधेली, रोशननगर, तलफीपुर, जनकपुर खरगापुर समेत कई गांवों के लोगों ने पहुंच कर गहमागहमी के माहौल में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मनाई गई राजा युवराज दत्त सिंह की जयंती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आज महाविद्यालय के संस्थापक श्रीमान राजा युवराज दत्त सिंह जी की जयंती हर्षोल्लासपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रातः 10:30 बजे से हुआ, जिसमें सर्वप्रथम श्रीमान राजा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद कक्ष संख्या-28 में श्रीमान राजा साहब के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में राजा युवराज दत्त सिंह जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विषय प्रवर्तन करते हुए प्रो0 सुभाष चन्द्रा ने कहा कि राजा साहब का व्यक्तित्व बहुआयामी था एवं उनके लोकहितकारी कार्य आज भी मानवता को प्रकाशमान कर रहे हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के असि0प्रो0 श्री सौरभ वर्मा ने राजा साहब के बहुआयी व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। प्रो0 संजय कुमार ने श्रीमान राजा साहब के द्वारा किए गए विभिन्न जनसेवा, चिकित्सा सेवा, शिक्षा एवं धर्मार्थ किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए श्रीमान राजा साहब की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 हेमन्त पाल ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में राजा साहब को देश-विदेश में फैली कीर्ति का वर्णन करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 सुभाष चन्द्रा ने किया। इस अवसर पर लोक भारतीय संस्था के सदस्यगण भी संगोष्ठी में पहुँचे और महाविद्यालय प्रांगण में तीन हरीशंकरी वृक्ष (पाकड़, बरगद एवं पीपल) के वृक्ष लगाए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण व बड़ी संख्या में छात्र/छात्रायें उपस्थित रहे।

कस्बा कुकरा में तीन दिवसीय 66 वां उर्स पाक शुरू, कुलशारीफ आज

कुकरा खीरी। कस्बा कुकरा में स्थित हजरत ख्वाजा उबैदुल गनी उर्फ मुन्नन मियां रहमतुल्ला शाह कादरी चिश्ती जहांगीरी हशनी रहमतुल्ला अलेह का तीन दिवसीय 66 वां उर्स पाक शुरू 30 जुलाई बाद नमाजएशा गागर व चादर जाबिर अली,के मकान से उठा कर हाजी यार अली खान,साहब के मकान पर पहुंचे जहां पर शेर अली खान,महमूद अली खान,इशरत अली खान, शबाहत अली खान,सदाकात अली,सैफ अली खान ने सभी का जोरदार स्वागत किया बाहर से आए कब्बालों ने कव्वालियां पढ़ी उसके बाद चादर उठा कर राजा साहब की गढ़ी में स्थित दरगाह पर पहुंचकर चादरपोशी की 31 जुलाई को बाद नमाजे इशा महफिले समा होगी 1,अगस्त को कुल शरीफ रंग महफिल व लंगर होगा यह सभी प्रोग्राम सज्जादा नशीन सूफी मोहम्मद यासीन जमीली व खलीफाऐ जमीली मोहम्मद अनवार उर्फ बाबू मियां, सूफी कमाल मियां की देखरेख में होंगे।

कांग्रेस के प्रदेश सचिव की अगुवाई में किया गया मंडल कमेटियों का गठन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकलां खीरी। कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सृजन अभियान के तहत पार्टी के प्रदेश सचिव बलराम गुप्ता, ब्लाक अध्यक्ष दिनेश शर्मा और नगर अध्यक्ष अजय दरोगा की अगुवाई में दर्जनों गांवों में पहुंचे कांग्रेसियों ने पलिया में मंडल कमेटियों के गठन का कार्य किया। इस दौरान ग्रामीणों को पार्टी की नीतियों से भी अवगत कराया गया। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां अभी से ही तेज नजर आने लगी हैं। कांग्रेस के प्रदेश सचिव बलराम गुप्ता की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत विधानसभा पलिया के ब्लॉक पलिया में

- कांग्रेस के प्रदेश सचिव बलराम गुप्ता की अगुवाई में किया गया मंडल कमेटियों का गठन

मंडल कमेटियों के गठन के लिए क्षेत्र भ्रमण कर पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और पार्टी की नीतियों से ग्रामीणों को अवगत कराया। इस दौरान पार्टी के पलिया ब्लाक अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय दरोगा, संपूर्णानगर मंडल अध्यक्ष संजय कुमार, ब्लॉक उपाध्यक्ष बिकाऊ प्रसाद, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सचिव सूरज आदि दर्जनों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सर्पदंश से 11वीं कक्षा की छात्रा की मौत

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले मे गुरुवार को मझगवां थाना क्षेत्र के ग्राम सरगांव में अपनी दादी के साथ चारपाई पर सो रही 11वीं कक्षा की छात्रा को जहरीले सर्प ने डस लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। मझगवां थाना क्षेत्र के ग्राम सरगांव निवासी खुशबु (16) पुत्री स्व0 देवेंद्र सिंह अपनी दादी कुसुमवती के साथ चारपाई पर लेटी हुई थी। तभी उसको जहरीले सर्प ने डस लिया। जिसपर उसके द्वारा चिल्लाने पर परिजन तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राठ लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसको प्राथमिक उपचार बाद उसकी गम्भीर हालत को देखते हुए उसे झांसी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। जहाँ झांसी मेडिकल कॉलेज में पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि मृतका जराखर गांव के एक विद्यालय में 11वीं कक्षा की छात्रा थी तथा अपनी तीन बहनों में सबसे छोटी थी। जो कि अपने पीछे मां कल्पना व दादी कुसुमवती के अलावा बड़ी बहन तनू और मनु सहित अन्य सभी परिजनों को रोता बिलखता हुआ छोड़ गई है।

किसानों की आवाज़ रंग लाई

- धौरहरा खाद घोटाले पर प्रशासन हरकत में, जांच के आदेश, पारदर्शी वितरण की उम्मीद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। धौरहरा में लंबे समय से चल रहे खाद वितरण विवाद और किसानों के विरोध के बाद अब प्रशासन नींद से जागा है। जंगल सहकारी समिति में हुए कथित भ्रष्टाचार, टोकन वसूली और मारपीट के मामले ने जोर पकड़ते ही प्रशासन ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं, जिससे किसान समुदाय में उम्मीद की एक किरण जगी है। सूत्रों के अनुसार, नेपाल में खाद के ऊंचे दामों और सीमा पार हो रही तस्करी के कारण लखीमपुर खीरी जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में खाद की भारी किल्लत बनी हुई है। सीमित संसाधनों और आपूर्ति में कटौती ने हालात और बिगाड़ दिए थे। ऊपर से, समिति अध्यक्षों द्वारा ''पहले आओ, पहले पाओ'' और 100 रुपये में टोकन जैसी मनमानी वसूली ने हालात विस्फोटक बना दिए।

गुरुवार सुबह करीब 10 बजे जंगल वाली सहकारी समिति में किसानों को खाद न मिलने, टोकन मांगने और अध्यक्ष दुर्गेश नंदन पांडे द्वारा कथित मारपीट के वीडियो सामने आने के बाद बवाल बढ़ गया। पीड़ित किसान अमित (पुत्र कैलाश, निवासी अमेठी, थाना धौरहरा) ने कोतवाली में तहरीर देकर न्याय की मांग की। किसानों का दबाव बना निर्णायक घटनास्थल से सैकड़ों किसान थाने पहुंचे, जिससे मामला दबाया नहीं जा सका। किसानों के दबाव और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के कारण अब जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच बैठा दी है।

प्रशासनिक सतर्कता और सुधार की दिशा में संकेत

अब तक चुप प्रशासन ने पहली बार सक्रियता दिखाई है। समिति में बिना चुनाव अध्यक्ष बनाए जाने और भाजपा पदाधिकारी होने के आरोपों की भी जांच की जा रही है। ग्रामीणों की यह मांग भी उठी है कि खाद वितरण डिजिटल तरीके से हो, हर समिति पर सीसीटीवी और निगरानी तंत्र लगाया जाए।

अध्यक्ष ने दी सफाई, सचिव ने विवाद को आपसी मामला'' बताया

अध्यक्ष दुर्गेश नंदन पांडे ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए उल्टा किसानों पर ही आरोप लगाए कि वे जबरन बोरी छीनने की कोशिश कर रहे थे। सचिव शिवा त्रिवेदी ने इसे ''आपसी विवाद'' बताकर मामला शांत करने का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कल मंडल के समस्त डाकघरो में नहीं हो सकेगा लेनदेन

बांदा। भारतीय डाक विभाग द्वारा डिजिटल सेवाओं को बेहतर एवं सशक्त करने के लिए एडवांस्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी का प्रारंभ किया जा रहा है। डाक अधीक्षक बांदा अरुण कुमार ने बताया कि एडवांस पोस्टल टेक्नोलॉजी का प्रारंभ 4 अगस्त 2025 को होने जा रहा है जिसके चलते शनिवार 2 अगस्त को डाउन टाइम के साथ बांदा मंडल के अंतर्गत बांदा, कर्वी, महोबा, हमीरपुर, जिलों के समस्त डाकघर में कोई भी सार्वजनिक लेनदेन नहीं हो सकेगा। उन्होंने डाकघर से जुड़े समस्त उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

प्रेमिका के भाई की हत्या के मामले पुलिस ने पांच नामजद आरोपितों को किया गिरफ्तार

जौनपुर। उप्र के जौनपुर जिले में प्रेमिका के भाई की हत्या के मामले में सभी पांच आरोपितों को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। केराकत थाना क्षेत्र अंतर्गत पसेवा गांव में बुधवार दोपहर प्रेम प्रसंग में प्रेमिका के भाई की हत्या के मामले पुलिस अधीक्षक ने घटना स्थल पर पहुंच कर घटना में शामिल आरोपितों को पकड़ने के लिए पांच टीमों का गठन किया था। अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुश श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सभी पांच नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, मृतक शमशेर चौहान की बहन काजल 12वीं की छात्रा है। उसका गांव के युवक शिवम से बातचीत होती थी। पिछले एक साल से इंस्टाग्राम के जरिये दोनों की बातचीत हो रही थी। बाद में मोबाइल से भी डायरेक्ट बात होने लगी थी। इस बात की जानकारी मिलने पर शमशेर ने बहन के प्रेमी शिवम को धमकाया। शिवम पड़ोस गांव का ही रहने वाला है। दोनों परिवारों के बीच कुछ दिन पहले भी विवाद हुआ था। बाद में दोनों परिवारों के बीच सुलह समझौता हो गया। काजल और शिवम की जान-पहचान थी और दोनों की शादी की तैयारी भी चल रही थी लेकिन प्रेमी के भाई शमशेर को समझौते की जानकारी नहीं थी। वह इस शादी के विरोध था।

पैर फिसलने से अंधे कुएं में गिरकर बुजुर्ग की मौत

फतेहपुर। जिले में कल शाम मवेशी चराने जंगल गये बुजुर्ग का पैर खाई से फिसल गया, जिससे वह अंधे कुएं में जा गिरा और उसकी मौत हो गई। गुरुवार को खेतों की तरफ गये ग्रामीणों ने एक चप्पल मिलने पर कुएं में झांक कर देखा तो एक शव तैरता नजर आया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस व दमकल विभाग की संयुक्त टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया। जाफरगंज थाना क्षेत्र के खानपुर कदीम गांव निवासी दिरपाल(70) पुत्र सुखलाल कल बुधवार को मवेशी लेकर चराने के लिए जंगल गया था। कुएं के पास ऊंची खाई से उसका पैर फिसल गया, जिससे वह अंधे कुएं में गिर गया। देर शाम तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने खोजना शुरू किया। लेकिन देर रात तक खोजबीन करने के बाद भी कोई पता नहीं चला था। ग्राम प्रधान ने देवरी चौकी इंचार्ज राजकमल यादव व फायर ब्रिगेड को सूचना देते हुए मौके पर पहुंचे। कुएं में जहरीली गैस होने के कारण दमकल कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। थाना प्रभारी धनंजय सरोज ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गर्भवती पत्नी को पीट-पीटकर हत्या के बाद पति फरार

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में भुता थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार देर रात शराब के नशे में युवक ने विवाद के बाद अपनी गर्भवती पत्नी की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद मां को आरोपित शौचालय में बंद कर फरार हो गया। गुरुवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस फॉरेंसिक और डॉग स्क्वॉड टीम के साथ मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। भुता थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि मगरासा गांव निवासी सोमपाल नशे का आदी है और आए दिन पत्नी से झगड़ा करता था। बीती बुधवार रात भी शराब पीकर वह घर लौटा और गर्भवती पत्नी सुमन (25) से किसी बात को लेकर कहासुनी के बाद लाठी से हमला कर दिया। इस बीच चीख-पुकार सुनकर जब दिव्यांग सास कमलेश्वरी बहू को बचाने पहुंचीं तो आरोपित बेटे ने उन्हें शौचालय में बंद कर दिया और पीट-पीटकर पत्नी की हत्या के बाद खुद फरार हो गया।

विद्या निकेतन का छात्र सीआरपीएफ में चयनित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। स्थानीय विद्यालय वि0कु0स्मा0 सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कॉलेज, गोला के पूर्व छात्र गगन वर्मा का चयन सी0 आर0 पी0 एफ0 में कांस्टेबल के पद पर हुआ है। इन्होने एस0एस0सी0 जी0डी0 परीक्षा 2024 उत्तीर्ण कर यह पद प्राप्त किया है, तथा वर्तमान समय में जोधपुर, राजस्थान में तैनात है । गगन वर्मा कक्षा 2 से इण्टर तक विद्यालय के नियमित छात्र रहें हैं। इण्टरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2018 में इन्होंने 77% अंक प्राप्त किये तत्पश्चात इन्होंने कानपुर विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण कर 72% अंक प्राप्त किये । ग्रामीण परिवेश के गगन वर्मा के पिता सुरेश चन्द्र वर्मा ग्राम शहाबुद्दीनपुर में दवा विक्रेता है एवं माता गृहणी हैं । गगन वर्मा ने सभी कक्षाओ में जाकर छात्र / छात्राओं को सी0 आर0

पी0 एफ0 में चयन हेतु चयन परीक्षा, शैक्षणिक योग्यता,शारीरिक मानक, चिकित्सा मानक एवं चरित्र के बारे में जानकारी दी और बताया कि चयन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पास करने के लिए उम्मीदवारों के लिए खुद को शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से तैयार करना महत्वपूर्ण है। विद्यालय के प्राचार्य महेन्द्र कुमार त्रिपाठी एवं बालिका विभाग की प्राचार्या श्रीमती मधु त्रिपाठी ने इस उपलब्धि पर छात्र को प्रोत्साहित करते हुये उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एनसीआरटीसी ने वितरित किये सहायक एवं उद्यमिता उपकरण

गाजियाबाद। एनसीआरटीसी ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सहायक और उद्यमिता उपकरणों का वितरण किया। इस कार्यक्रम का आयोजन जापान फंड फॉर प्रॉस्पेरस एंड रेजिलिएंट एशिया एंड द पैसिफिक (जेएफपीआर) के तहत एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर एनसीआरटीसी की निदेशक (वित्त) नमिता मेहरोत्रा और एडीबी की कंट्री हेड सुश्री मियो ओका समेत एनसीआरटीसी और एडीबी के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। इस पहल के तहत दिव्यांगजनों को 108 व्हीलचेयर वितरित की गईं, जिससे उनकी गतिशीलता व आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। दैनिक गतिविधियों, परिवहन और कार्यस्थलों तक पहुँचने में आसानी होगी।

जनपद में बिजली विभाग में हवा-हवाई साबित होते सीएम के आदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। प्रदेश में चौबीस घंटे बिजली आपूर्ति का दम भरने वाली योगी जी की सरकार को बिजली विभाग ने फ़ेल कर दिया है, पूरी गर्मी भर विद्युत का बहुत बुरा हाल रहा उपभोग का ऐसी उमस भरी गर्मी में जीवन जीने को मजबूर हैं लाइट के इंतजार में रात-रात भर जाग कर निकल जाते हैं यहां बांदा जिले की पैलानी तहसील के अंतर्गत पलरा कालेश्वर, पैलानी ,कानाखेड़ा ,जसपुरा सब स्टेशन है कही भी विद्युत आपूर्ति ठीक नहीं है। विद्युत समस्याओं के निराकरण के लिए 1912 नंबर पर कॉल करने के बाद अधिकांश तक कल ही नहीं उठाई जाती और जब उठते हैं तो नाम पता और बिजली का बिल जमा है या नहीं यह पूछ कर शिकायत दर्ज कर लेते हैं इसके बाद कोई जवाब नहीं मिलता अधिकांशतया 1912 में फोन करने पर नाट रीचेबल बताया जाता है या यह नंबर गलत है यह बता दिया जाता है अब जिले के विद्युत अधिकारी फोन ही नहीं उठाते आखिर उपभोक्ता करें तो क्या करें किससे कहे, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर यदि फोन करते हैं तो वहां से जवाब मिलता है कि 1912 में बात करिए पैलानी सब स्टेशन अभी कुछ वर्ष पूर्व भी बना है जहां सभी मशीन नई लगाई गई थी,जब कभी विद्युत आपूर्ति होती है तो 2 मिनट लाइट रहती है फिर गोल हो जाती है फिर 15-20 मिनट बाद आती है फिर चली जाती है उसके बाद इकट्ठा शाम होते होते होते बिजली खराब बता दी जाती है सबस्टेशन पर यदि फोन करते हैं तो उनका कहना होता है कि लाइनमैन से बात करिए या कहीं बिजली फाल्ट हो गई दिन तो किसी तरह कट जाता है लेकिन रात में विद्युत ना होने पर बहुत बड़ी मुसीबत का सामना करना पड़ता है।

फोर्टिस-गंभीर विवाद पर गिल : 'कोच को पिच देखने का पूरा अधिकार है'

एजेंसी

लंदन। मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय टीम को ओवल में सरे के मुख्य ग्राउंड्समैन ली फोर्टिस द्वारा पिच को करीब से देखने से रोकने को भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अनावश्यक करार दिया।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर और फ़ोर्टिस के बीच तब नोकझोंक हुई जब वे मुख्य स्क्वायर के आसपास भीड़ और प्रशिक्षण सामग्री होने से चिंतित थे। कथित तौर पर उन्होंने भारतीय टीम को सुझाव दिया कि उन्हें पिच से 2.5 मीटर दूर खड़े होकर पिच देखनी चाहिए। गंभीर को फोर्टिस की ओर उंगली दिखाते और बार-बार यह कहते हुए देखा गया कि वे 'सिर्फ एक ग्राउंड्समैन' हैं। गिल, जो उस घटना के दौरान मैदान पर

मौजूद नहीं थे, ने ओवल में पांचवें टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, ''कल जो हुआ, मुझे लगा कि वह बिल्कुल गैर-जरूरी था। यह पहली बार नहीं है जब हम विकेट देख रहे थे, हम लगभग दो महीने से वहां हैं। एक कोच को पूरा अधिकार है कि वह पास जाकर विकेट देख सके और मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ गलत है। मुझे सच में समझ नहीं आ रहा कि क्यूरेटर ने हमें विकेट देखने की इजाजत क्यों नहीं दी। गिल ने कहा कि सीरीज के पिछले चार स्थानों - हेडिंग्ले, एजबस्टन, लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड - पर किसी भी क्यूरेटर ने भारतीय टीम को पिच या स्क्वायर देखने से नहीं रोका था। गिल ने कहा, ''जहां तक मुझे याद है, हमें कभी कोई निर्देश नहीं मिले थे। अगर आप रबर स्पाइक्स पहने हों या नंगे पैर हों, तो आप विकेट को पास से देख सकते हैं। हम इस सीरीज में पहले ही चार मैच खेल चुके हैं, और हमें पिच देखने से किसी ने नहीं रोका। हम सभी ने इतना क्रिकेट खेला है, हम कोच और कप्तान समेत कई बार पिच पर गए हैं, मुझे समझ नहीं आता कि इतना हंगामा किस बात का था। भारत के सीरीज में 2-1 से पिछड़ने के बाद, आखिरी टेस्ट से पहले, गिल से पूछा गया कि क्या जरूरी मैच जीतने के दबाव ने गंभीर की प्रतिक्रिया को उकसाया होगा। गिल ने कहा, ''बिल्कुल नहीं, अगर कोई पिच क्यूरेटर आकर हमें विकेट की तरफ देखने के बजाय तीन मीटर पीछे से देखने के लिए कहेगा, तो ऐसा हमारे साथ पहले कभी नहीं हुआ।

इंडिया चैंपियंस ने सेमीफाइनल से नाम वापस लिया, डब्ल्यूसीएल ने पुष्टि की

नई दिल्ली। डब्ल्यूसीएल के अनुसार, भारतीय टीम के आधिकारिक रूप से नाम वापस लेने के बाद, विश्व चैंपियनशिप लीग (डब्ल्यूसीएल) में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच होने वाला सेमीफाइनल रद्द कर दिया गया है। एक्स पर साझा किए गए एक बयान में, डब्ल्यूसीएल ने कहा, ''डब्ल्यूसीएल में, हमने हमेशा खेल की शक्ति में विश्वास किया है जो दुनिया को प्रेरित करती है और सकारात्मक बदलाव लाती है। हालांकि, जनता की भावनाओं का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए - आखिरकार, हम जो कुछ भी करते हैं वह हमारे दर्शकों के लिए है। बयान में आगे कहा गया है, ''हम इंडिया चैंपियंस के सेमीफाइनल से नाम वापस लेने के फैसले का सम्मान करते हैं, और हम पाकिस्तान चैंपियंस की प्रतिस्पर्धा के लिए तत्परता का भी उतना ही सम्मान करते हैं। सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच मैच रद्द कर दिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत अंडर-19 की अगुवाई करेंगे म्हात्रे

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत अंडर-19 दल की अगुवाई करेंगे जो कि 21 सितंबर से शुरू होगा। 17 सदस्यीय दल में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है। भारत ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कुल पांच मैच खेलेगा जिसकी शुरुआत तीन वनडे मैच से होगी। तीनों मुकाबले नॉर्थ्स में 21, 24 और 26 सितंबर को खेले जाएंगे। इसके बाद दो चार दिवसीय मैच 30 सितंबर और 7 अक्टूबर से मैके में शुरू होंगे। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर गए दल में से मौल्यराजसिंह चावड़ा, युद्धजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र और मोहम्मद एनान शामिल नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयनित दल में वेदांत त्रिवेदी, खिलन पटेल, उधव मोहन और अमन चौहान को जगह दी गई है। खिलन दाएं पैर में स्ट्रेस रिएक्शन के चलते इंग्लैंड

दौरे पर दल का हिस्सा नहीं बन पाए थे। इंग्लैंड दौरे पर प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले पंजाब के शीर्ष क्रम बल्लेबाज विहान मल्होत्रा को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। इंग्लैंड में चार दिवसीय दोनों मैचों में म्हात्रे ने कुल चार पारियों में सर्वाधिक 340 रन बनाए थे और वनडे मुकाबलों में सूर्यवंशी ने पांच पारियों में सर्वाधिक 355 रन बनाए थे। दोनों चार दिवसीय मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए थे जबकि वनडे सीरीज को भारत ने 3-2 से अपने नाम किया था। ऑफ़ स्पिनर कनिष्क चौहान ने वनडे सीरीज़ में भारत की ओर से सर्वाधिक विकेट लिए थे जबकि चार दिवसीय मुक़ाबलों में तेज गेंदबाज आर एस अंबरीश ने छह विकेट चटकाते हुए प्रभावित किया था। पिछले साल सितंबर-अक्टूबर में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर पर वनडे और चार दिवसीय मुक़ाबलों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। भारत अंडर-19 दल : आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडु (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर एस अंबरीश, कनिष्क चौहान, नमन पुष्पक, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार, अनमोलजीत सिंह, खिलन पटेल, उधव मोहन, अमन चौहान स्टैंडबाय खिलाड़ी : युद्धजीत गुहा, लक्ष्मण, बी के किशोर, अलंकृत रपोले. अर्णव बग्गा।

विदेशी चुनौतियों से पार पाना हमेशा विशेष होता है: ध्रुव जुरेल

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल समझते हैं कि विदेशी परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने से खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ता है और वह चोटिल उप कप्तान ऋषभ पंत की जगह इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पंत के चोटिल होने के कारण 24 वर्षीय जुरेल ने लॉर्ड्स और मैनचेस्टर में पिछले दो टेस्ट मैचों में भारत के लिए विकेटकीपिंग की थी। जुरेल ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए वीडियो में कहा, ''विदेश की चुनौतियों से पार पाना हमेशा विशेष होता है। अगर आप विदेश में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो लोग आपको ऊंचा दर्जा देंगे, इसलिए मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं बस मैदान पर उतरकर खुद को अभिव्यक्त करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, ''यह मैच हम सभी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है इसलिए मैं इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं टीम की जीत में अपना योगदान देना चाहता हूं। पिछले साल राजकोट में इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले जुरेल ने अब तक चार टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 40.40 की औसत से 202 रन बनाए हैं। उनके नाम पर एक अर्धशतक भी दर्ज है। उन्होंने कहा, '''एक टीम मैन वह होता है जो अंतिम एकादश में शामिल होने या नहीं होने पर भी ऐसा काम करता है जिससे टीम को जीत मिलती है। इस श्रृंखला में मैदान पर उतरने के पल को याद करते हुए जुरेल ने कहा, ''मैं बचपन से ही लॉर्ड्स में खेलने के बारे में सोचता था, इसलिए मैं बस उस पल को महसूस कर रहा था। वहां खेलने का अनुभव शानदार था। ऋषभ भैया के साथ जो हुआ वो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था। लॉर्ड्स में खेलना मेरा सपना था। जुरेल को पंत द्वारा दी गई टिप्स भी याद थीं।

15वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की काकीनाडा में होगी शुरुआत

एजेंसी

नयी दिल्ली। नये प्रारूप के साथ एक अगस्त से 15वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में शुभारंभ होगा। यह टूर्नामेंट 12 अगस्त तक चलेगा और इसमें 30 टीमें भाग लेंगी। इसमें नये प्रारुप को लागू किया जायेगा। टूर्नामेंट को डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी में विभाजित किया जाएगा। डिवीजन ए और बी की निचली टीमों को क्रमशः डिवीजन बी और डिवीजन सी में स्थानांतरित किया जाएगा, और डिवीजन बी और डिवीजन सी की शीर्ष दो टीमों को अगले साल हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के डिवीजन ए और डिवीजन बी में पदोन्नत किया जाएगा। महिला जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के डिवीजन ए में देश की शीर्ष 12 टीमें शामिल हैं और पूल ए में गत चैंपियन

झारखंड, पूल बी में पिछले साल की उपविजेता मध्य प्रदेश और पूल सी में दूसरे उपविजेता हरियाणा शामिल होंगे। इस बीच, डिवीजन बी और डिवीजन सी में वे टीमें शामिल होंगी जो शीर्ष 12 राष्ट्रीय रैंकिंग में नहीं हैं, और अगले साल की राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए रैंकिंग में ऊपर चढ़ने और उच्च डिवीजन में जगह बनाने के लिए स्पर्धा करेंगी। हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025, डिवीजन 'ए' के मैच पांच अगस्त से शुरू होंगे। टीमें इस प्रकार हैं: पूल ए: झारखंड, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक। पूल बी:- मध्य प्रदेश, पंजाब और चंडीगढ़। पूल सी : हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बंगाल। पूल डी:- ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश। डिवीजन 'ए' में, प्रत्येक टीम अपने पूल में राउंड-रॉबिन मैच खेलेगी। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल (9 अगस्त), सेमीफाइनल (10 अगस्त) और फाइनल तथा तीसरे स्थान के प्लेऑफ (12 अगस्त) के लिए क्वालीफाई करेंगी। डिवीजन 'ए' में, यदि कोई क्लासिफिकेशन मैच निर्धारित समय के अंत में ड्रॉ पर समाप्त होता है, तो विजेताओं का निर्धारण करने के लिए शूट-आउट का सहारा लिया जायेगा। डिवीजन 'बी' (मध्य-स्तरीय डिवीजन): डिवीजन 'बी' में केवल लीग मैच होंगे, जिसमें शीर्ष दो रैंक वाली टीमों को डिवीजन 'ए' में और अंतिम दो रैंक वाली टीमों को डिवीज़न 'सी' में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। डिवीजन 'बी' के मैच एक से पांच अगस्त तक चलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

तेलुगु टाइटन्स और तमिल थलाइवाज की भिड़ंत से होगी पीकेएल सीजन 12 सीजन की शुरुआत

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 में 29 अगस्त को विशाखापत्तनम में तेलुगु टाइटन्स और तमिल थलाइवाज के बीच मुकाबले से टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। इस टूर्नामेंट में 12 टीमें विशाखापत्तनम, जयपुर, चेन्नई और दिल्ली में प्रतिस्पर्धा करेंगी। विशाखापत्तनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में तेलुगु टाइटन्स और तमिल थलाइवाज के बीच मुकाबले से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। यह सात साल बाद होगा जब इस तटीय शहर में इस टूर्नामेंट की वापसी होगी। दिन के दूसरे मैच में बेंगलुरु बुल्स का सामना पुनेरी पलटन से होगा। अगले दिन घरेलू टीम तेलुगु टाइटन्स एक बार फिर मैदान पर उतरेगी, इस बार शाम के पहले मैच में यूपी योद्धा के खिलाफ, उसके बाद यू मुंबा का सामना गुजरात जायंट्स से होगा। तीसरे दिन सुपर संडे को तमिल थलाइवाज और यू मुंबा भिड़ेंगे। मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ अपने खिताब की रक्षा के लिए पहला मैच खेलेंगे। 12 सितंबर से जयपुर के इंडोर हॉल, एसएमएस स्टेडियम में मुकाबला होगा, जहां दो बार की चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स और बेंगलुरु बुल्स के बीच रोमांचक मुकाबले होंगे, इसके बाद तमिल थलाइवाज का सामना बंगाल वॉरियर्स से होगा। गुलाबी नगरी पीकेएल की लोककथाओं में एक विशेष स्थान रखती है, क्योंकि 2023-24 में ऐतिहासिक सीजन 10 के दौरान ऐतिहासिक 1000वें पीकेएल मैच की मेजबानी करेगा। तीसरे चरण में 29 सितंबर को चेन्नई के एसडीएटी मल्टीपर्पस इंडोर स्टेडियम में यूपी योद्धा का सामना गुजरात जायंट्स से होगा, जबकि दबंग दिल्ली के.सी. का सामना हरियाणा स्टीलर्स से भिड़ेंगे। सीजन 12 का लीग चरण 13 अक्टूबर से दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपने चरम पर पहुँचेगा, जहां पटना पाइरेट्स का सामना हरियाणा स्टीलर्स से, यू मुंबा का सामना यूपी योद्धा से होगा। प्लेऑफ का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा। आगामी सीजन को लेकर प्रो कबड्डी के मशाल बिजनेस प्रमुख और लीग कमिश्नर, अनुपम गोस्वामी ने कहा, ल्सीजन 12 प्रो कबड्डी लीग के विकास में एक रोमांचक नया अध्याय शुरू कर रहा है। बहु-शहरी प्रारूप के साथ, हम देश भर के प्रशंसकों के लिए शीर्ष स्तरीय कबड्डी एक्शन ला रहे हैं और साथ ही प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों के साथ अपने संबंधों को और गहरा कर रहे हैं। हम विशाखापत्तनम में वापसी को लेकर विशेष रूप से उत्साहित हैं, जो लीग को उसके उत्साही प्रशंसकों के और करीब ले जाने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

मेस्सी के आखिरी पल में किए गए करिश्मे से जीता इंटर मियामी

मियामी। लियोनेल मेस्सी के मैच के अंतिम पलों में दिखाए गए करिश्मे की मदद से इंटर मियामी ने लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में एटलस को 2-1 से हरा दिया। मेजर लीग सॉकर द्वारा ऑल-स्टार भाग नहीं देने के कारण एक मैच के लिए निलंबित किए जाने के बाद मेस्सी और उनके साथी जोर्डी अल्बा का यह पहला मैच था। उन्होंने स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में मार्सेलो वीगन्ड्ट की विजयी गोल करने में मदद की। वीडियो समीक्षा प्रणाली के बाद ही यह गोल मान्य माना गया। मेस्सी ने इससे पहले 58वें मिनट में टेलास्को सेगोविया के गोल में भी मदद की थी। रिवाल्डो लोज़ानो ने 80वें मिनट में एटलस की तरफ से बराबरी का गोल किया। इस मैच में अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने इंटर मियामी के लिए पदार्पण किया। मेस्सी के राष्ट्रीय टीम के साथी डी पॉल ने पिछले हफ्ते क्लब के साथ आधिकारिक तौर पर करार किया था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को एशेज में दर्शकों का नया रिकॉर्ड बनने की उम्मीद

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग का मानना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही टेस्ट श्रृंखला में रोमांचक मुकाबलों का आगामी एशेज श्रृंखला पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और उन्हें इसमें रिकॉर्ड संख्या में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला नवंबर में शुरू होगी। ग्रीनबर्ग को उम्मीद है कि एशेज में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) 2024-25 के दौरान 837,879 कुल दर्शकों की संख्या को पार कर जाएगी। ग्रीनबर्ग ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, ''यह शानदार है। एक प्रशंसक के तौर पर यह क्रिकेट (एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही श्रृंखला) देखने लायक है। इसका एशेज पर भी प्रभाव पड़ेगा और हमारे खूब टिकट बिकेंगे। ऑस्ट्रेलियाई इतिहास में एशेज के अलावा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच श्रृंखला को सबसे अधिक दर्शकों ने देखा। एशेज का रिकॉर्ड 946,750 दर्शकों का है, जो 1936-37 एशेज के दौरान बना था, जब सर डोनाल्ड ब्रैडमैन अपने चरम पर थे। ग्रीनबर्ग ने कहा, ''मुझे यकीन है कि हमारे अंग्रेज़ दोस्त एशेज देखने के लिए आएंगे। हम इसका बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

इमामी को पहली तिमाही में 164 करोड़ रुपये का मुनाफा

कोलकाता। सौंदर्य प्रसाधन एवं हेल्थकेयर उत्पाद बनाने वाली कंपनी इमामी को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 164 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही से नौ प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पहली तिमाही में शहरी गैर-जरूरी उपभोग पर लगातार दबाव रहा जबकि ग्रामीण इलाकों से आने वाली माँग में सुधार हुआ है। समय से पहले मानसून आने और बिना मौसम की बारिश के कारण तापमान कम रहने से कंपनी के गर्मियों के मौसम वाले उत्पादों के पोर्टफोलियो की बिक्री पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके कारण आमदनी लगभग स्थिर रही और टेलकम और प्रिकली हीट पाउडर श्रेणी में बिक्री 17 प्रतिशत घट गयी। वहीं, वैश्विक आर्थिक परिदृश्यों और बांग्लादेश, पश्चिम एशिया और अफ्रीका में भूराजनैतिक अनिश्चितताओं के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में ठीकठाक वृद्धि रही। इमामी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हर्ष वी. अग्रवाल ने कहा कि पहली तिमाही का प्रदर्शन कंपनी की आंतरिक मजबूती और हमारे ब्रांडों के लचीलेपन को दर्शाता है।

आरबीआई की एमपीसी बैठक 4 से 6 अगस्त के बीच, रेपो रेट यथावत रहने की संभावना

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 4-6 अगस्त के बीच होने वाली है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा बैठक में लिए जाने वाले फैसलों की घोषणा 6 अगस्त को करेंगे। अर्थशास्त्रियों ने बैठक में रेपो रेट 5.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रहने की संभावना जताई है।

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अमेरिका की 25 फीसदी नए टैरिफ की घोषणा के बावजूद रिजर्व बैंक अगस्त की मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठक में नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। आरबीआई समीक्षा बैठक में रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रख सकता है।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में होने वाली एमपीसी की यह समीक्षा बैठक 4-6 अगस्त तक चलेगी। आरबीआई ने यह बैठक पहले 5-7 अगस्त के लिए निर्धारित थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली एमपीसी ने फरवरी, 2025 से लेकर अभी तक रेपो रेट में कुल मिलाकर 100 आधार अंकों यानी एक फीसदी की कटौती की है। इससे पहले फरवरी और अप्रैल में 25 आधार अंकों की कटौती की गई थी। आरबीआई ने पहली और दूसरी एमपीसी समीक्षा बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी और तीसरी बार यानी जून में 0.50 फीसदी की कटौती की थी, जो अभी 5.50 फीसदी है।

थॉमस कुक इंडिया की परिचालन आय पहली तिमाही में 15 प्रतिशत बढ़कर 2,453 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली। ट्रैवल कंपनी थॉमस कुक इंडिया को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में परिचालन से 2,453 करोड़ रुपये की आय हुई जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 2,134.3 करोड़ रुपये की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बताया कि पहली तिमाही में उसका कर पूर्व लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर 109.1 करोड़ रुपये हो गया। भू-राजनैतिक चुनौतियों के बावजूद पहली तिमाही में ट्रैवल सेवा से उसका राजस्व 18 प्रतिशत बढ़कर 1,682.1 करोड़ रुपये पर पहुँच गया। लीजर आतिथ्य से प्राप्त राजस्व आठ प्रतिशत बढ़कर 125.7 करोड़ रुपये हो गया। थॉमस कुक इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश अय्यर ने परिणामों को बेहतरीन बताते हुए कहा कि आने वाले समय में समूह प्रौद्योगिकी और बेहतर ग्राहक अनुभव पर फोकस जारी रखेगा।

ट्रंप के दबाव के बावजूद फ़ेडरल रिजर्व ने नहीं घटायी ब्याज दर

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी फ़ेडरल रिजर्व ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव को दरकिनार करते हुये बुधवार को नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। फ़ेडरल मुक्त बाजार समिति (एफओएमसी) की बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि वह अधिकतम रोजगार और दीर्घावधि में दो प्रतिशत मुद्रास्फीति दर का लक्ष्य हासिल करना चाहती है। उसने कहा कि आर्थिक परिदृश्य को लेकर अनिश्चितताएँ बढ़ गयी हैं। समिति ने कहा कि उसने फ़ेडरल फंड के लिए 4.25 से 4.5 प्रतिशत ब्याज दर बनाये रखने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रंप चाहते थे कि फ़ेड नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करे। वह पिछले सप्ताह फ़ेडरल रिजर्व के मुख्यालय भी गये थे, जो आम तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं करते। उन्होंने बुधवार सुबह ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में भी लिखा, ''दूसरी तिमाही के जीडीपी के आँकड़े आ गये हैं: 3 प्रतिशत, उम्मीद से कहीं बेहतर। ''पहले ही बहुत देर हो चुकी है'', अब दरों में कटौती करें। कोई मुद्रास्फीति नहीं! लोगों को अपना घर खरीदने दें और रिफाइनेंस करने दें। फ़ेड ने अपने बयान में माना है कि मुद्रास्फीति में कुछ सुधार हुआ है, बेरोजगारी दर कम है और श्रम बाजार की स्थिति मजबूत है, हालाँकि हालिया संकेतक बताते हैं कि साल की पहली छमाही में आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती आयी है। बयान में कहा गया है कि समिति आने वाले समय में आँकड़ों पर नजर रखेगी और मौद्रिक नीति के रुख में उचित बदलाव के लिए तैयार रहेगी। बैठक में फ़ेड के अध्यक्ष जेरोम पावेल और उपाध्यक्ष जॉन विलियम्स समेत नौ सदस्यों ने दरें स्थिर रखने के पक्ष में मत दिया। दो सदस्य दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती के पक्ष में थे जबकि एक सदस्य बैठक में अनुपस्थित थीं और वोट नहीं करने का फैसला किया।

इफको ने केजे पटेल को अपना नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली। सहकारी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) ने केजे पटेल को अपना नया प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। इफको के मौजूदा प्रबंध निदेशक डॉक्टर उदय शंकर अवस्थी 40 साल की सेवा के बाद गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गए हैं। इफको ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी को 29 जुलाई को बोर्ड ने नए एमडी का नाम तय करने के लिए अधिकृत किया था। उन्होंने केजे पटेल को नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। उर्वरक क्षेत्र में 32 साल से अधिक की विशेषज्ञता के साथ पटेल इफको को नवाचार, परिचालन उत्कृष्टता और किसानों एवं सहकारी समितियों के लिए बेहतर मूल्य सृजन की दिशा में आगे बढ़ाएंगे।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में उछाल के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,490 रुपये से लेकर 1,00,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,110 रुपये से लेकर 92,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,17,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,110

रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

तुलसीदास ने रामचरितमानस के जरिये भगवान श्रीराम को घर-घर तक पहुंचाया: उपमुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि तुलसीदास ने रामचरितमानस लिखकर प्रभु श्री राम को घर-घर तक पहुंचाने का काम किया है। हमारे संस्कारों में हम अपनी बहू बेटियों की इज्जत करते हैं। उनको प्रणाम करते हैं। जिन्होंने भी महिला को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया है। भगवान उन्हें सद्बुद्धि दे। प्रभु एक दिन उनको जरूर दंड देंगे। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक गुरुवार को यहां श्रीमद्भागवत गीता वैदिक न्यास की ओर से स्थापित श्रीमद भागवत गीता एवं वैदिक में शोधपीठ तथा सनातन सेवा सत्संग कानपुर प्रांत उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में त्रयोदश तुलसीदास जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में श्री रामचरितमानस एवं श्रीमद्भागवत गीता में किया गया था। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सर्वप्रथम गोस्वामी तुलसीदास की प्रतिमा का अनावरण किया। बाद में सभागार में दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर कल्याणपुर विधायक नीलमा कटियार और महापौर प्रमिला पांडेय मौजूद रहीं। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री पाठक ने कहा कि तुलसीदास ने देश पर जो उपकार किया है। उसे हम किसी भी जन्म में पूरा नहीं कर सकते हैं। उन्होंने रामचरितमानस के जरिए प्रभु श्री राम को घर तक पहुंचाने का काम किया है। यही कारण है कि वर्तमान में देश का बच्चा-बच्चा प्रभु श्री राम की पूजा अर्चना कर रहा है। ऐसे महानुभाव को हम शत-शत नमन करते हैं। कार्यक्रम में सपा सांसद डिंपल यादव के खिलाफ मौलाना की टिप्पणी संबंधी एक सवाल का जवाब में पाठक कहा कि बचपन से ही हमें संस्कारों में सिखाया गया है। हमें अपनी बहू बेटियों की इज्जत करनी चाहिए। जिन्होंने भी महिला के खिलाफ इस तरह का आपत्ति बयान दिया है। एक न एक दिन भगवान उन्हें जरूर दंड देंगे।

गंगा का जलस्तर सामान्य, घबराने की कोई बात नहीं व विभागीय टीम लगातार कर रही निगरानी : मनोज सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। कानपुर मण्डल के औरैया में यमुना नदी के जलस्तर में वृद्धि की प्रवृत्ति को देखते हुए कानपुर जनपद में विभागीय टीमों को अलर्ट कर दिया गया है। संवेदनशील स्थानों पर सतत निगरानी की जा रही है तथा संबंधित प्रशासनिक इकाइयों को भी सूचित कर आवश्यक तैयारी सुनिश्चित की गई है। ऐसे में जनपद के लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। विभाग की ओर से स्थिति पर लगातार नज़र रखी जा रही है। यह जानकारी गुरुवार को अधिशासी अभियंता बाढ़ नियंत्रण मनोज सिंह ने दी। गंगा नदी के जलस्तर की निगरानी एवं संभावित बाढ़ की रोकथाम के लिए जल आयोग एवं सिंचाई विभाग द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। वर्तमान में कानपुर में गंगा नदी का जलस्तर सामान्य है तथा किसी प्रकार की चिंता की आवश्यकता नहीं है। फिलहाल गंगा नदी के जलस्तर में किसी भी प्रकार की असामान्यता नहीं है। स्थिति पूरी तरह सामान्य है। कानपुर बैराज पर गेज स्तर अपस्ट्रीम 113.000 मीटर तथा डाउनस्ट्रीम 112.180 मीटर रिकॉर्ड किया गया है। इस समय डिस्चार्ज जो कि चेतावनी स्तर 114.000 मीटर तथा खतरे के स्तर 115.000 मीटर से काफी नीचे है। खतरे के स्तर पर अनुमानित डिस्चार्ज 5,44,373 क्यूसेक होता है। शुक्लागंज गेज पर जलस्तर 110.470 मीटर है, जो चेतावनी स्तर 113.000 मीटर एवं खतरे के स्तर 114.000 मीटर से कम है। हरिद्वार बैराज से 96,165 क्यूसेक 83,594 क्यूसेक दर्ज किया गया है, तथा नरोरा बैराज से 62,053 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज किया जा रहा है। आगे कहा, गंगा नदी के साथ-साथ यमुना नदी के जलस्तर की भी सतत निगरानी की जा रही है। वर्तमान में औरैय्या ज़िले में यमुना नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर पहुंच गया है, किंतु खतरे के स्तर से कुछ ही ऊपर है। स्थिति नियंत्रण में है तथा विभागीय टीमें पूरी तरह सतर्क हैं।

महामना छात्रावास के निर्माण के लिए मंत्री अनिल राजभर ने किया भूमि पूजन

वाराणसी। सेवा भारती (काशी प्रांत) की ओर से संचालित माधव सेवा प्रकल्प के वाराणसी में चांदपुर स्थित महामना छात्रावास के पार्क एवं पार्किंग निर्माण कार्यों के लिए उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने भूमि पूजन किया। मंत्री अनिल राजभर ने भूमि पूजन के बाद कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा भारती के समस्त प्रकल्प दिनरात सेवा कार्यों में जुटे रहते हैं। जिसमें समाज के लोगों की भी बढ़चढ़ कर भागीदारी रहती है। महामना छात्रावास के पार्क एवं पार्किंग निर्माण कार्यों को भी आपसी सहयोग एवं समाज के बल पर शीघ्र से पूरा करा लिया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह,काशी के प्रान्त प्रचारक रमेश, क्षेत्र सेवा प्रमुख युद्धवीर और वीरेंद्र सहित संघ एवं भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

यमुना खतरे के निशान से ऊपर, बेतवा का जलस्तर भी बढ़ा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जालौन। जनपद में बाढ़ का खतरा गहराता जा रहा है। यमुना नदी का जलस्तर कालपी में गुरुवार गुरुवार की दोपहर 09.280 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो खतरे के निशान 108 मीटर से ऊपर पहुंच चुका है। नदी का पानी लगातार बढ़ रहा है और हर घंटे औसतन 7ऽ8 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इसी तरह बेतवा नदी का जलस्तर मोहाना में भी तेजी से बढ़ रहा है। सुबह 10 बजे तक बेतवा 119.000 मीटर तक पहुंच चुकी थी। हालांकि अभी यह खतरे के स्तर 122.644 मीटर से नीचे है, लेकिन बढ़ोतरी की रफ्तार चिंता बढ़ा रही है।

यमुना के खतरे के निशान पार करने से कालपी और आसपास के निचले इलाकों में दहशत का माहौल है। प्रशासन ने अलर्ट जारी कर प्रभावित गांवों में निगरानी बढ़ा दी है। बाढ़ चौकियां सक्रिय कर दी गई हैं और नावों व मोटरबोटों को राहत कार्यों के लिए तैनात किया गया है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने लोगों से अपील की है कि नदी के किनारे और निचले इलाकों में सतर्क रहें। किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल फ्लड कंट्रोल रूम को दें। अधिकारियों का कहना है कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और राहत एवं बचाव दल चौबीसों घंटे तैयार है।

प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी बीएचयू के 29वें कुलपति नियुक्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) का नया कुलपति नियुक्त किया है। प्रो. चतुर्वेदी आईआईटी कानपुर में प्रोफ़ेसर हैं और वे बीएचयू के 29वें कुलपति होंगे। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए या 70 वर्ष की आयु पूरी होने तक (जो भी पहले हो) प्रभावी होगी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में प्रो अजीत कुमार चतुर्वेदी को नया कुलपति नियुक्त करने के संबंध में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से बीएचयू के रजिस्ट्रार को संबोधित एक आधिकारिक पत्र जारी कर दिया गया है। प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी एक अनुभवी शिक्षाविद् और प्रशासक हैं। वे पूर्व में आईआईटी रुड़की के निदेशक रह चुके हैं, साथ ही आईआईटी कानपुर में डीन और उप निदेशक के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। उनके शैक्षणिक योगदान विशेष रूप से वेवफार्म शेपिंग, सीक्वेंस डिजाइन और एमआइएमओ सिस्टम के क्षेत्र में उल्लेखनीय रहे हैं। प्रो. चतुर्वेदी वर्ष 1994 से 1996 के दौरान आईआईटी बीएचयू के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफ़ेसर रहे चुके हैं। इस पूर्व अनुभव का लाभ उन्हें बीएचयू के कुलपति के रूप में अपने कार्यकाल में निश्चित रूप से मिलेगा। प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी ने वर्ष 1995 में पीएचडी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी कानपुर, वर्ष 1988 में एम टेक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आइआइटी कानपुर, 1986 में बी टेक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी कानपुर से किया है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

सावन के तीसरे गुरूवार को देवगुरू बृहस्पति का फलों से श्रृंगार,दरबार में उमड़े श्रद्धालु

वाराणसी। दशाश्वमेध स्थित देवगुरू बृहस्पति भगवान का सावन मास के तीसरे गुरूवार को परम्परागत रूप से विभिन्न फलों से शृंगार किया गया। तड़के भोर में 11 वैदिक ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देवगुरु के विग्रह का पंचामृत से अभिषेक कर पूजन आरंभ किया। पुजारी अजय गिरी की देखरेख में मंगला आरती सम्पन्न हुई। आरती के पश्चात जैसे ही मंदिर के पट खोले गए, श्रद्धालुओं की कतारें दर्शन-पूजन के लिए उमड़ पड़ीं। पीत वस्त्र धारण किए श्रद्धालुओं ने पीले फल और पुष्प अर्पित कर अपने परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। पूर्वाह्न में मंदिर के पुजारियों संतोष गिरी और अभिषेक गिरी के नेतृत्व में देवगुरु के विग्रह को स्वर्ण मुखौटा, चांदी का छत्र और अष्टधातु के आभूषणों से सुशोभित किया गया। इसके पश्चात देवगुरु को उनके पूरे परिवार सहित झूले पर विराजमान कराया गया। झांकी देख श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। दिनभर मंदिर परिसर में भोग आरती और दर्शन-पूजन का क्रम चलता रहा। वहीं, पूर्वाह्न में ही रुद्राभिषेक का आयोजन भी किया गया। पुजारी संतोष गिरी ने बताया कि मंदिर परिसर और मुख्य द्वार को अशोक और कामिनी की पत्तियों, रंग-बिरंगे वस्त्रों एवं विद्युत झालरों से भव्य रूप से सजाया गया है।

रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की असुविधाओं को डीआरएम के समक्ष रखा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अमेठी। लखनऊ स्थित डीआरएम कार्यालय पर हुई रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श दात्री समिति की बैठक में अमेठी जनपद के सदस्य एवं कांग्रेस पार्टी के नेता अनुपम पांडेय शामिल हुए। इस बैठक में अनुपम पांडेय ने अमेठी जनपद के तमाम रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को हो रही असुविधाओं का ख्याल रखते हुए स्टेशन की कमियों को डीआरएम के समक्ष रखा। यही नहीं इसके साथ-साथ उन्होंने डीआरएम से व्यक्तिगत अनुरोध भी किया कि लखनऊ, प्रतापगढ़, वाराणसी और लखनऊ प्रतापगढ़ इलाहाबाद रेलखंड पर तमाम ऐसी गाड़ियां बंद पड़ी है जिनके चलते रेल यात्रियों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसी ट्रेनो का आवागमन पुनः बहाल किया जाए। रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श दात्री समिति के सदस्य अनुपम पांडेय ने बृहस्पतिवार को बताया कि रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए रेलवे के बहुतायत स्टेशन पर काम लगा है, ठेकेदार गायब हैं, जिसके कारण यात्रियों को असुविधा हो रही है। रेलवे स्टेशनों पर प्रसाधन सुविधा को सुलभ शौचालय के अन्तर्गत आंवटित कर दिया गया है, जिसके कारण निम्न समस्याएं आ रही है- फ्री से पेड होने के कारण ग्रामीण गरीब उपभोक्ता, यात्री परेशान हैं। यह स्वच्छ भारत मिशन पर भी एक प्रश्न है। सुलभ शौचालय के कर्मचारियों के अभाव में ताला बंद रहता है, जिससे कारण शौचालय के आसपास गंदगी रहती है। सभी ग्रामीण व शहरी रेलवे स्टेशनों पर समुचित कर्मचारियों की नियुक्ति करायी जाय अथवा सुलभ शौचालय का आवंटन रद्द किया जाय। प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर वन ''स्टेशन वन प्रोडक्ट'' का सुचारु रुप से संचालन कराया जाय। जिस तरह जनता से सम्बन्धित होटल, पेट्रोलपम्प, मॉल आदि जैसे तमाम संस्थानो में पानी व प्रसाधन की सुविधा मुफ्त देना अनिवार्य है, उसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी उपभोक्तओं के लिए सुविधा मुफ्त कराया जाना चाहिए। जनपद अमेठी के गौरीगंज, गुरु गोरखनाथ धाम (जायस), कासिमपुर हाल्ट, स्वामी परमहंस (बनी), अमेठी, मां कालिकन धाम (मिश्रौली), मुसाफिरखाना, महाराजा बिजली पासी (निहालगढ़) जैसे तमाम रेलवे स्टेशनों पर शुद्ध शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाय। टिकट काउंटर प्राइवेट लोगों को आंवटित कर दिये गये हैं, जिसके कारण यात्रियों को नकली जनरल टिकट दिया जा रहा है। जिसका एक मामला वाराणसी रेलवे स्टेशन पर सामने आया है। उक्त नकली टिकट प्रकरण में उपभोक्ता जौनपुर के बदलापुर निवासी राजमणि के साथ 5 यात्रियों से वसूले गये जुर्माने की रकम पांच हजार रुपए उपभोक्ताओं को वापस कराया जाय। इसके साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाय। इस ठगी से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए उचित व्यवस्था की जाय। इन तमाम सुझावों एवं आग्रह पर डीआरएम कार्यालय द्वारा आश्वस्त किया गया कि शीघ्र ही इन सभी समस्याओं पर कार्य करते हुए दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

बागपत का पुरामहादेव मंदिर जहां प्रकट हुए थे भोलेनाथ

महर्षि परशुराम के कठोर तप से प्रसन्न हो शिव ने दिए थे साक्षात दर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में हिंडन नदी के तट पर स्थित पुरामहादेव मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। यह प्राचीन मंदिर सनातन आस्था का बड़ा केंद्र है। यहां पर सावन के महीने में लाखों श्रद्धालु सुदूर क्षेत्रों से जलाभिषेक करने आते हैं।

बागपत जिले में हरनंदी नदी (हिंडन) के तट पर परशुराम के पिता महर्षि जमदग्नि का आश्रम था। यहां पर वे तप किया करते थे। बाद में यही स्थान खेड़ा के नाम विख्यात हुआ। प्राचीन ग्रंथों में भी इसका उल्लेख मिलता है। महर्षि परशुराम ने भी यहीं पर तप किया और गुरुकुल खोला था। इस गुरुकुल में भीष्म पितामह और दानवीर कर्ण आदि के शिक्षा ग्रहण करने की बातें सामने आती हैं। यहां से कुछ ही दूरी पर हिंडन तट पर महर्षि परशुराम ने कठोर तप किया। इससे प्रसन्न हो महादेव ने साक्षात दर्शन दिए थे। फिर उन्होंने महादेव से लोक कल्याण के लिए यहां पर पिंडी के रूप में प्रकट होने का वरदान मांगा। इस पर भगवान महादेव तथास्तु कहकर पिंडी के रूप में प्रकट होकर वहां पर हमेशा-हमेशा के लिए विराजमान हो गए। इसके बाद से यह स्थान परशुरामेश्वर महादेव यानी पुरामहादेव के नाम से विख्यात हुआ। ऐसी मान्यता है कि यहां पर महादेव शिव का जलाभिषेक और पूजन-अर्चन से सुखद अनुभूति के साथ सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यह पुरामहादेव मंदिर परशुराम खेड़ा से तकरीबन ढाई सौ मीटर दूर है। परशुराम मंदिर खेड़ा में उनकी माता रेणुका द्वारा बनाये गए घड़े के अवशेष भी पाए गए हैं। कुछ शुभ चिह्न भी मिले हैं जहां अब बेसमेंट बना दिया गया है। इसमें भगवान परशुराम के माता-पिता और बहन की मूर्तियां भी स्थापित हैं। यहां पर 24 जनवरी 2013 से अखंड जोत जागृत है। इसी दिन से ही इस प्रसिद्ध मंदिर का निर्माण शुरू हुआ था। गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित मुल्तानी मल मोदी कालेज के एसोसिएट प्रोफ़ेसर कृष्णकांत शर्मा बताते हैं कि उन्होंने इस क्षेत्र का पुरातात्विक सर्वे किया था, जिसमें चित्रित धूसर मृद्भांड मिले हैं जो इस बात को प्रमाणित करते हैं यह क्षेत्र अति प्राचीन स्थल है। लोक कथाओं के वर्णन और पुरातात्विक सर्वे के आधार पर महर्षि परशुराम के आश्रम के बारे में जो बातें कही जाती हैं, वे सही हैं। यदि हम इसके क्षेत्रफल और स्थान की बात करें तो यह क्षेत्र लगभग 28 बीघा में फैला हुआ है। यह बागपत से 20 किलोमीटर और मेरठ से 25 किलोमीटर बालैनी तथा बालैनी से 3 किलोमीटर हिंडन नदी के तट पर स्थित है जबकि खेड़ा धाम से करीब 250 मीटर की दूरी पर भगवान परशुराम जी द्वारा स्थापित पुरामहादेव मंदिर है। यह मंदिर 111 फुट ऊंचा और 101 फुट चौड़ा है। इस तपोभूमि पर पिछले 15 वर्षों से सूरज मुनि महाराज जी और देवमुनि महाराज जी के सानिध्य में हजारों भक्तों के प्रयास से भगवान परशुराम मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। मुनि जी बताते हैं कि मंदिर निर्माण के लिए सर्वप्रथम आसपास के 80 से 85 गांव से सर्व समाज से 2 ईंट और 30 रुपये लिये गए। खेड़ा के प्रमुख लोगों से चंदा इकट्ठा करने में मदद ली गई। सभी भक्तों ने खुलेमन से इस मंदिर के लिए दान दिया। अब तो दिल्ली, हरियाणा आदि राज्यों के सहयोग से मंदिर का निर्माण कार्य शीघ्रता से चल रहा है। मुनि जी ने बताया कि मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से भी आर्थिक मदद प्राप्त हो रही है।

बुंदेलखंड में मोटा अनाज के प्रोत्साहन को झटका

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश सरकार बुंदेलखंड में कम पानी में पैदा होने वाली फसल मिलेट्स यानी श्री अन्न (मोटा अनाज) को बढ़ावा देने के लिये एडी चोटी का जोर लगाये हुये है मगर कृषि विभाग शासन की मंशा में पानी फ़ेरता नजर आ रहा है। विभाग ने मुफ्त में वितरित किये जाने वाले मिलेट्स बीज किट्स अभी तक 35 फीसदी किसानों को वितरित किये हैं।

जिला कृषि अधिकारी डा.हरीशंकर ने गुरुवार को बताया कि सिंचाई की समस्या को देखते हुये करीब तीन सालों से सरकार बुंदेलखंड में ज्वार,बाजरा,सावा,कोदो रागी की फसलों को बढ़ावा देने के लिये एड़ी चोटी का जोर लगाये हुये है ताकि बुंदेलखंड का किसान कम पानी की फसलो को बोयें व स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकें। इसके लिये शासन ने किसानों को बीज आवंटित न कर मुफ्त बीज किट्स उपलब्ध कराये जिसमे ज्वार का 700 किट्स के सापेक्ष केवल 323, बाजरा का किट्स 181 किट्स की सापेक्ष केवल 63 किट्स बितरित किये गये है। इसी प्रकार सावा के 700 किट्स के सापेक्ष शासन से 500 किट्स आवंटित किये गये है जिसमे 255 किट्स ही वितरित किये गये है,इसी प्रकार कोदो के शासन ने 333 किट्स के सापेक्ष केवल तीस किट्स आवंटित किये गये है उसमे भी किसानों को केवल दस किट्स ही वितरित किये गये है। इसी प्रकार रागी के 90 किट्स के सापेक्ष 106 किट्स शासन ने आवंटित किये थे उसमे केवल 43 किट्स ही वितरित किये गये है यह किट्स बीज उत्तर प्रदेस बीज विकास निगम से आये कल्याण पुर,अतर्रा,उरई प्रक्षेत्र राठ से भेजे गये है। उन्होने कहा कि किट्स किसानों को मुफ्त में वितरित किये जाने थे। सभी किटों की तौल माप 68.42 कुंटल है जिसमे केवल 24 कुंटल ही वितरित हो पाया है। इधर खरीफ की फसल के बोने का समय भी निकलता जा रहा है जिससे किसानों के लिये ये किट्स बेकार सावित होगे। किसानों को मिलेट्स बीज न मिलने के कारण व श्री अन्न के महत्व को नही जान पा रहा है जबकि सरकार का मानना है कि बुंदेलखंड में श्री अन्न को बढावा देकर सिचाई व पैदावार में बढोत्तरी की जा सकती है। ग्रामीणों को जानकारी करने के लिये शासन ने किसान पाठशाला खोल रखे हैं। इसके अलावा तकनीकि सहायक व किसान सहायको की नियुक्त की गयी है ताकि तकनीक सहायक हर गांव में कम से कम सप्ताह में एक बार जाकर किसानों को जागरुक करे और मिलेट्स बीज की तरफ किसानों का ध्यान आकर्षित करे। मगर किसानों को इसका रत्ती भर लाभ नही मिल पा रहा है। किसान रामनारायण ने बताया कि मिलेट्स बीज क्या है वह कुछ नही जानते है वह केवल अपने खेतो में ज्वार बाजरा की फसल जानवरों के चारे के लिये बोते है। इसका खाद्यान्य में कोई प्रयोग नही किया जाता है।